RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 324 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 22-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जहां योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग है, न बीमारी : योगी

6 जंगल में आग, धधक रहे हैं पहाड़

7 खामोश रहकर भाव दिखाना सबसे बड़ी चुनौती : सोनाली बेंद्रे

फर्स्ट टेक

ईडी ने विजयन की बेटी को सीएमआरएल धनशोधन मामले में फिर तलब किया

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की बेटी वीणा टी. को एक नया नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें 29 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला खनन कंपनी सीएमआरएल और उनकी अब बंद हो चुकी आईटी कंपनी से जुड़े धनशोधन मामले से संबंधित है। इस मामले में 17 जून को ईडी के कोच्चि कार्यालय में उनसे धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले के संबंध में नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। इसके बाद 19 जून को जांच के तहत ईडी अधिकारियों ने तिरुवनंतपुरम में उनके बैंक लॉकरों की भी जांच की।

गाजा में इजराइल के हमलों में अल जज़ीरा के कैमरामैन सहित छह लोगों की मौत

दीर अल बला (गाज़ा)/एपी। गाजा में शनिवार को इजराइल के हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए जिनमें दो बच्चे और अल जजीरा का एक कैमरामैन भी शामिल है। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल और चरमपंथी समूह हमास के बीच अक्टूबर में हुए युद्धविराम के बावजूद, गाजा में लगभग रोजाना इजराइल के हमले जारी हैं, जिनमें अब तक 1,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय के अनुसार शनिवार को पहला हमला स्थानीय समयानुसार लगभग रात दो बजे गाज़ा सिटी में एक इमारत पर हुआ। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दो बहनों- ज़ीना (चार) और लाना (14) के शव शिफ़ा अस्पताल के मुर्दाघर लाए गए।

झारखंड के खूंटी में सात नक्सली गिरफ्तार

खूंटी (झारखंड)/भाषा। झारखंड के खूंटी जिले में रविवार को प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत सात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का एरिया कमांडर श्रवण दास पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ में घायल हो गया।
पुलिस के मुताबिक, उसने कथित तौर पर एक हथियार छीन लिया था और जंगल में पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दी थीं, जहाँ वह हथियारों और गोला-बारूद के छिपे हुए जखीरे को बरामद करवाने के बहाने उन्हें ले गया था।

सूर्यास्त 22-06-2026 6:37 बजे	सूर्योदय 23-06-2026 5:44 बजे

BSE	NSE
76,802.90 (-607.08)	24,013.10 (-154.90)

सोना	चांदी
15,018 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	240,000 रु. प्रति किलो

देश के आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव के लिए निर्णायक हैं मजबूत समुद्री क्षमताएं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि मजबूत समुद्री क्षमताएं किसी देश के आर्थिक और सामरिक प्रभाव को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं तथा भारत इस बात को अच्छी तरह समझता है और इसके लिए तैयारी कर रहा है।

मोदी ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर स्वदेश निर्मित तीन पोतों को नौसेना में शामिल करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार देश बनकर नहीं रहना चाहता और देश के सशस्त्र बल दुनिया के लिए महज एक बाजार नहीं बने रह सकते। उन्होंने कहा, ''हमारी क्षमताओं की पहचान आत्मनिर्भरता से है, दुनिया के लिए बाजार बनने से नहीं।''

मोदी ने कहा, ''कोई भी देश समुद्री ताकत के बिना बड़ी शक्ति नहीं बन सकता। विकास, सुरक्षा और समृद्धि समुद्र से जुड़े हुए हैं। समुद्री क्षमताओं से लैस देश मजबूत होता है और उसका आर्थिक एवं सामरिक प्रभाव अधिक होता है।'' उन्होंने कहा कि भारत इस वास्तविकता को अच्छी तरह समझता है और इसके लिए स्वयं को तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेश निर्मित तीन पोतों-'स्टील्थ फ्रिगेट' 'दूनागिरि', सर्वेक्षण पोत 'संशोधक' और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अग्रय' को नौसेना में शामिल किया। उन्होंने कहा कि प्रथम पंक्ति के ये पोत समुद्री युद्ध, जल सर्वेक्षण और पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़ी महत्वपूर्ण अभियानगत क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत ने कुछ वर्ष पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नौसेना में शामिल कर अपनी समुद्री क्षमताओं का प्रदर्शन किया था। भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को 2022 में नौसेना में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की भारत की यात्रा केवल नए युद्धपोतों की नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने की यात्रा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरि और आईएनएस संशोधक को नौसेना में शामिल किए जाने से इस यात्रा को गति मिल रही है। उन्होंने कहा, ''इन तीनों पोतों का डिजाइन और निर्माण भारत में किया गया है तथा ये पोत देश की प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करते हैं।''

मोदी ने कहा कि भारत खरीदार देश से निर्माता देश में तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा, ''जिस दिन हम निर्माता बन जाएंगे, उस दिन हम निर्णय लेने वाले भी बन जाएंगे।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कभी दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातक देशों में शामिल था और इस निर्भरता के कारण देश को सामरिक एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि वैश्विक शांति का मार्ग प्रशस्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। दुनियाभर में जारी कई संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच मोदी की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि भारत की यह प्राचीन पद्धति व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कल्याण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें समाजों में सामूहिक शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने की भी क्षमता है। मोदी ने कोलकाता के प्रतिष्ठित 'रेड रोड' पर हजारों लोगों की मौजूदगी में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह को संबोधित करते हुए योग से मिलने वाली संतुलित जीवनशैली और हर उम्र के लोगों द्वारा इस परंपरा को अपनाए जाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि काम, खानपान और नींद में संतुलन दुखों को दूर करने की कुंजी है तथा योग लोगों को यह संतुलन हासिल करने का मार्ग दिखा सकता है। मोदी ने कहा, ''यही संतुलन जीवन की तरह योग का भी मूल आधार है।'' उन्होंने कहा, ''आधुनिक जीवनशैली में अधिकतर लोग इस संतुलन को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। योग हमें संतुलित ढंग से जीने की कला सिखाता है। यह हमें बताता है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। जब हम अपने शरीर का सही तरीके से संचालन करना सीख जाते हैं तो स्वस्थ रहना हमारी आदत बन जाता है।'' प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित नहीं करता बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के जरिये शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने का मार्ग भी दिखाता है।

मोदी भारत को बर्बाद कर रहे और ट्रंप दुनिया को : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि खुद को ''अच्छा दोस्त'' बताने वाले ये दोनों नेता अपने-अपने क्षेत्रों को (एक देश को, तो दूसरा दुनिया को) बर्बाद कर रहे हैं।

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़ी निधि में हेराफेरी के आरोपों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर ''लूट'' हुई है।

खरगे ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आयोजन को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और छात्रों तथा अभिभावकों के साथ ''धोखाधड़ी'' करने का आरोप लगाया। खरगे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

वह यहां एक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें बी.के. हरिप्रसाद ने कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष का पद संभाला। खरगे ने कहा, ''मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं। ट्रंप पूरी दुनिया को बर्बाद कर रहे हैं। दोनों खुद को 'अच्छा दोस्त' बताते हैं। दोनों अच्छे दोस्त, आप देश का नाम खराब कर रहे हैं और आप दोनों की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं।''

ईंधन की बढ़ती कीमतों के लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने दावा किया, ''भारत ने नेहरू के समय से ही गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई और सभी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे। लेकिन उस नीति को छोड़ दिया गया है, और मोदी ने हर किसी को अपना दोस्त बताकर तथा उन्हें गले लगाकर हमें इस स्थिति में पहुंचा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें (कांग्रेस कार्यकर्ताओं को) यह ध्यान में रखना चाहिए कि कौन सी सरकार देश और इसके लोगों के लिए फायदेमंद होगी। हमें लोगों को इसके बारे में बताना चाहिए। लोगों के पास जाएं और उन्हें समझाएं कि क्या हो रहा है।''

खरगे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी के मूल मूल्यों और विचारधारा से समझौता किए बिना पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा के बाद अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए दान और सामग्री एकत्र की गई थी, लेकिन उसका कोई उचित हिसाब नहीं दिया गया। खरगे ने दावा किया कि अब मंदिर से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की खबरें आ रही हैं।

मेकेदातु दोनों राज्यों के लिए फ़ायदेमंद है; इस पर बहस करना सही नहीं है : एचडी कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। केन्द्रीय बड़े उद्योग और लोकनिर्माण मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि यह बात सब जानते हैं कि कर्नाटक में सूखे की स्थिति है। हालांकि, पड़ोसी तमिलनाडु का कावेरी मुद्दे पर बड़ा रिस्क लेना सही नहीं है। मंड्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा; यह पहली बार नहीं है जब तमिलनाडु बड़ा रिस्क ले रहा है। वह पिछले 50 सालों से कावेरी मुद्दे पर समस्याएँ खड़ी कर रहा है। तमिलनाडु ने कोटे से दोगुना पानी दिया है। उन्हें यह याद नहीं है। जब जलाशय भरे हुए थे, तो उस राज्य में पानी आसानी से बहता था। उन्होंने कहा कि जब बारिश की कमी के कारण जलाशय खाली हैं, तो उस राज्य का हम पर पानी के लिए दबाव डालना ठीक नहीं है।

तमिलनाडु के लोगों को असली हालात समझने चाहिए। हम, जो पड़ोसी राज्यों में रहते हैं, भाई-बहनों की तरह होने चाहिए। फेडरल सिस्टम में टकराव ठीक नहीं है। तमिलनाडु को समझना चाहिए कि अगर हम मौजूदा हालात को समझें और मिलकर काम करें तो दोनों राज्यों के लिए बेहतर है। कुमारस्वामी ने कहा कि टांग अड़ाकर लड़ाई में पड़ना अच्छा कदम नहीं है। कर्नाटक के साथ हर तरफ से लगातार गलत हो रहा है। हमने कृष्णराजसागर, काबिनी, हरंगी, हेमावती समेत सभी डैम अपने राज्य के लोगों के पैसे से बनाए हैं। अगर हमने अपने पैसे से डैम बनाए हैं, तो हमने उन्हें ऐसी मशीनों में बदल दिया है जिनसे पानी पड़ोसी राज्यों पर गिरता है। मंत्री ने दुख जताया कि राज्य की नाकामी के कारण ऐसी स्थिति बनी है।

जब तक देवेगौड़ा इस देश के प्रधानमंत्री नहीं बने, तब तक सिंचाई के मामले में हो रहे अन्याय को ठीक नहीं किया गया। जब वे राज्य विधानसभा के सदस्य थे, तो उन्होंने सदन के अंदर और बाहर लगातार लड़ाई लड़ी और काबिनी, हरंगी और हेमावती बांधों के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। यह लोगों के साथ अन्याय है कि कुछ लोग इस मुद्दे का राजनीतिक मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि हमारे बांध ऐसे बांध बन गए हैं जो पड़ोसी तमिलनाडु को पानी छोड़ते हैं।

मेकेदातु प्रोजेक्ट को रोकने के तमिलनाडु के कदम को मानना नामुमकिन है। हमारे राज्य के हिस्से के पानी का इस्तेमाल करने के लिए इस प्रोजेक्ट को लागू करने की ज़रूरत है। सबसे ज़रूरी बात यह है कि बेंगलूरु की पीने के पानी की ज़रूरतों के लिए इस बांध का निर्माण बहुत ज़रूरी है। राज्य ने पहले ही केंद्र सरकार को एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (उ्झठ) जमा कर दी है। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु राज्य की सहमति ज़रूरी है। अगर मेकेदातु लागू होता है, तो दोनों राज्यों को फ़ायदा होगा। एक बार बांध पानी से भर जाने के बाद, ज़्यादा पानी उस राज्य में चला जाएगा। इसे रोका नहीं जा सकता। उन्होंने दुख जताया कि तमिलनाडु इस आसान से मुद्दे का बतंगड़ बना रहा है।

हमने बार-बार कहा है कि हम पीने के पानी के लिए मेकेदातु योजना लागू कर रहे हैं। इसीलिए हमने डीपीआर में इसका ज़िक्र किया है।

प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच

20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने नीट पुनर्परीक्षा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। प्रश्नपत्र लीक होने के कारण तीन मई को हुई परीक्षा रद्द किए जाने के बाद, 20 लाख से अधिक मेडिकल अभ्यर्थी रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा में दूसरी बार शामिल हुए। यह मुद्दा सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था और इसके खिलाफ व्यापक जन आंदोलन भी शुरू हो गया था।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि समग्र सरकारी दृष्टिकोण ने परीक्षा को इतने बड़े स्तर के आयोजन को रिकॉर्ड समय में आयोजित कराने में मदद की।

एनटीए ने एक बयान में कहा कि नीट-यूजी 2026 पुनर्परीक्षा में भारत के 5,440 केंद्रों और विदेशों के 14 केंद्रों पर 20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। यह परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी समेत 13 भाषाओं में आयोजित की गई। एजेंसी ने कहा कि यह सिर्फ एनटीए के प्रयास नहीं थे बल्कि यह 'टीम भारत' की भावना थी।

एनटीए ने कहा, ''कुल मिलाकर, इस परीक्षा के आयोजन के लिए पूरे भारत में लगभग सात लाख अधिकारी, पुलिस दल, पर्यवेक्षक और परीक्षा कर्मचारी तैनात किए गए, और यह कार्य रिकॉर्ड 37 दिनों में पूरा किया गया। एनटीए विशेष रूप से देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के उन विशेषज्ञों का आभारी है, जिन्होंने प्रश्नपत्रों के कई सेट तैयार करने में अपना व्यक्तिगत समय दिया।''

अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यह परीक्षा भारत के 551 शहरों में 5,440 केंद्रों और विदेशों में 14 केंद्रों पर आयोजित की। उन्होंने बताया कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए 51,311 जैमर लगाये गये थे।

इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली के ओखला स्थित एनटीए मुख्यालय में नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के सुचारु संचालन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। शिक्षा मंत्रालय ने कहा, ''एनटीए ने मंत्री को परीक्षा के कुशल और पारदर्शी ढंग से संचालन के लिए की गई तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी दी।''

पुनर्परीक्षा अपराह्न दो बजे शुरू हुई जो शाम 5.15 बजे तक चली। दिव्यांग अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए शाम 6:20 बजे तक अनुमति दी गई।

एनटीए ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों, जिनमें 10,000 से अधिक दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर आधार-आधारित बायोमेट्रिक और चेहरे की पहचान, सीसीटीवी निगरानी, जैमर तथा राज्य पुलिस के सहयोग से सभी व्यवस्थाएं की गई थीं।

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा, ''कुछ जगहों पर गलत प्रवेश पत्र लेकर आने के और कुछ स्थानों पर जाली प्रवेश पत्र लेकर आने की सूचनाएं मिलीं।

आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को युवाओं से अपनी पहचान और परंपरा की 'पवित्रता' बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता व परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है।

राष्ट्रपति मुर्मू, यहां रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये और उपाधियों का वितरण किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया।

साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं।

राष्ट्रपति कहा कि रानी दुर्गावती त्याग, परिश्रम और बलिदान की प्रतिमूर्ति थीं तथा नारी शक्ति के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं। रानी दुर्गावती के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''विकास की दौड़ में जो लोग पीछे छूट गए हैं, उन्हें आगे लाना और मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारे विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनने का अवसर मिले।'' उन्होंने कहा, ''विद्यालयों को अपनी पहचान और परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। इसकी पवित्रता बनाए रखना जरूरी है। आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है।''

मुर्मू ने जनजातीय समाज के लोगों में कौशल और ज्ञान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति भाव भी विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान, संस्कृति, परंपरा और अस्मिता को बनाए रखना उतना ही आवश्यक है, जितना आधुनिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

सियाचिन से समुद्र तक सशस्त्र बलों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सशस्त्र बलों ने सियाचिन हिमनद की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर कच्छ के विशाल रण तक और पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर समुद्र में नौसैनिक पोतों तक रविवार को देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक दृढ़ता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिलांग में योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह तथा अन्य वायु सेना कर्मियों के साथ पूर्वी वायु कमान की ओर से आयोजित योग सत्र में भाग लिया।

सिंह ने योग सत्र का एक वीडियो साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा,

''शिलांग में पूर्वी वायु कमान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा हूं। मैं सभी से योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आग्रह करता हूं।''

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय की ओर से आयोजित योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

इस बीच, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने असम के तेजपुर में सैनिकों के साथ योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''पूर्वी क्षेत्र में सैनिकों के साथ कार्यक्रम में उनकी भागीदारी सभी भूभागों और परिस्थितियों में शारीरिक स्वास्थ्य, दृढ़ता एवं अभियानगत तैयारियों पर सेना के निरंतर जोर को दर्शाती है।'' इस वर्ष 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' थीम के तहत मनाया जा रहा है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए योग के महत्व को रेखांकित करता है।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सियाचिन हिमनद की बर्फीली ऊंचाइयों से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक और पूर्वोत्तर में अरुणोदय की धरती से लेकर कच्छ के विशाल रण तक, सैनिकों ने विविध एवं चुनौतीपूर्ण भूभागों में योगाभ्यास कर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और समग्र स्वास्थ्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।''

इन कार्यक्रमों में भारतीय सेना के अनुशासन, दृढ़ता और स्वस्थ जीवन के मूल्यों की झलक मिली तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने एवं अभियानगत प्रभावशीलता बढ़ाने में योग की भूमिका रेखांकित हुई।

उत्तराखंडः नगरासू के गुरुद्वारे में हंगामा, सिख श्रद्धालु को बंधक बनाकर छत पर चढ़े निहंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग जिले के नगरासू स्थित एक गुरुद्वारे में निहंग सिख श्रद्धालुओं ने जमकर हंगामा किया और एक सिख तीर्थयात्री को बंधक बनाते हुए गुरुद्वारे की छत पर चढ़ गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम से गुरुद्वारे की तीसरी मंजिल करीब छह निहंगों के कब्जे में है और पुलिस एवं प्रशासन उनसे बात कर उन्हें नीचे आने के लिए मनाने के प्रयास कर रहे हैं।

मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक मौके पर हालात नियंत्रित करने में जुटे हैं। इस बीच, स्थिति को संभालने के लिए गढ़वाल आयुक्त भी रुद्रप्रयाग पहुंच गए हैं। पुलिस के मुताबिक, निहंग श्रद्धालु 16 जून को चमोली जिले के कर्णप्रयाग बाजार में एक घटना के बाद गिरफ्तार किये गये निहंगों को छोड़े जाने की मांग कर रहे हैं। एक बुजुर्ग सिख तीर्थयात्री को बंधक बना साथ ले गए निहंगों के पास भाला, तलवार, कुल्हाड़ी और कृपाण जैसे शस्त्र हैं। श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे में 16 जून को मत्था टेककर वापस आ रहे कुछ निहंग सिखों का कर्णप्रयाग बाजार में वाहन खड़ा करने को लेकर लोगों से विवाद हो गया था, जिसके बाद उन्होंने कथित रूप से तलवार से हमला कर चार लोगों को घायल कर दिया।

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं : पंजाब के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने रविवार को लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ कसरत नहीं है, बल्कि यह शरीर को स्वस्थ, मन को शांत और जीवन को संतुलित रखने का एक जरिया है। कटारिया चंडीगढ़ के प्रशासक भी हैं और वह 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

कटारिया ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन अपनी 'योग 365' पहल के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक योग की पहुंच सुनिश्चित करने और इस प्राचीन पद्धति को पूरे वर्ष के अभ्यास में बदलने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने एकीकृत अस्पतालों, मोबाइल चिकित्सा इकाइयों और जनकल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने शहर में योग को बढ़ावा देने में योगदान देने वाले 14 संगठनों और संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया। कटारिया के साथ चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी, वित्त सचिव दिप्रावा लकड़ा और नगर निगम आयुक्त अमित कुमार भी मौजूद थे।

पंजाब पुलिस ने विदेशी आकाओं से जुड़े गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने विदेशी आकाओं से जुड़े एक गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि इनके पास से विदेश निर्मित तीन आधुनिक पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए हैं। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्रवाई राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर और काउन्टर इंटेलीजेंस, जालंधर ने एक केंद्रीय एजेंसी के समन्वय से की।

यादव ने लिखा, ''संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एसएसओसी, अमृतसर और काउन्टर इंटेलीजेंस, जालंधर ने एक केंद्रीय एजेंसी के साथ समन्वय में, विदेश में बैठे आकाओं से जुड़े एक गैंगस्टर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।'' उन्होंने बताया कि इस मामले में अमृतसर के एसएसओसी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि आरोपी विदेश में बैठे उन गैंगस्टरों के निर्देश पर काम कर रहे थे, जो पंजाब में गैंगवार, जबरन वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी पाया गया कि आरोपी अपने विदेशी आकाओं के इशारे पर हथियारों की खेप भी पहुंचाते थे और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल से 14 जून तक निर्यात में 15 प्रतिशत वृद्धिः पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से 14 जून तक देश के माल निर्यात में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य मंत्रालय जून माह के निर्यात-आयात संबंधी आधिकारिक आंकड़े 15 जुलाई को जारी करेगा। गोयल ने कहा कि अमेरिका द्वारा 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद 2025-26 में भारत के निर्यात में मजबूत वृद्धि हुई है।

मुंबई में 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' के साथ संवाद के दौरान उन्होंने कहा, ''यहां तक अगर हम अप्रैल और मई के पूरे महीनों के साथ ही जून के 14 दिन के उपलब्ध आंकड़ों की बात करें तो इसमें निर्यात में 15 प्रतिशत की वृद्धि रही है।''

मंत्री ने कहा कि मई में भारत का निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो छह माह का उच्चतम स्तर है। हालांकि, इसी अवधि में व्यापार घाटा बढ़कर 28.21 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

अप्रैल-मई 2026-27 के दौरान देश का निर्यात 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि आयात 15.14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 145.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में व्यापार घाटा 56.44 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

गोयल ने 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''और विकसित भारत की शुरुआत कहां से होती है, इसकी शुरुआत उत्तर मुंबई से होती है। हमें सबसे पहले अपने आसपास के क्षेत्र को बेहतर बनाना होगा।''

मुंबई उत्तर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गोयल ने बताया कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त, जनप्रतिनिधियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से क्षेत्र में स्वच्छता अभियान शुरू करने का आग्रह किया है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर, अगले वर्ष फरवरी-मार्च से लागू होगाः गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को बताया कि भारत और 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर दिसंबर तक हस्ताक्षर किए जाएंगे और इसके अगले वर्ष फरवरी-मार्च के दौरान लागू होने की संभावना है। इस वर्ष 27 जनवरी को भारत और यूरोपीय संघ ने वार्ताओं के समापन की घोषणा की थी।

गोयल ने मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बातचीत के दौरान कहा, अब लगभग शून्य शुल्क के साथ यूरोपीय बाजार का बड़ा हिस्सा भारतीय उत्पादों के लिए खुल जाएगा। भारत-ईयू एफटीए पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होंगे और यह फरवरी-मार्च तक प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस सप्ताह भारत आ रहे हैं, जहां वह उनके साथ व्यापार समझौते पर चर्चा करेंगे। मंत्री ने कहा, पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है।

एफटीए के तहत लगभग 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात वस्तुओं को 27 देशों के इस समूह में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने की संभावना है, जबकि यूरोपीय संघ से आने वाली लक्जरी कारों और वाइन जैसे उत्पाद सस्ते हो सकते हैं।

मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के पक्ष में कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि यह कदम मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के तहत विभिन्न राज्यों में 'अत्यधिक संख्या' में मतदाताओं के नाम हटाए जाने या उन्हें जानबूझकर अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक सशक्त कदम होगा।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ''इशारे पर काम कर रहे'' निर्वाचन आयोग के ''घोर पक्षपातपूर्ण कामकाज'' के पूरी तरह उजागर होने के बाद, अब समय आ गया है कि

मतदान के अधिकार को एक मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए।'' इससे इसे उच्चतम स्तर की न्यायिक समीक्षा और सुरक्षा मिल सकेगी। रमेश ने उल्लेख किया कि बीते शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने संविधान के तहत फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्प संख्यकों और जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर सलाहकार समिति का गठन किया था। इक्कीस-22 अप्रैल 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर तीखी बहस हुई थी, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर और बाबू जगजीवन राम ने इसके पक्ष में पुरजोर दलीलें दी थीं। रमेश ने कहा सरदार पटेल, सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य नेताओं का मानना था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने में झिझक सकती हैं, और संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करना ही काफी है। उन्होंने कहा, ''सरदार पटेल ने खुद यह रुख अपनाया था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार है। यही अनुच्छेद 326 की पृष्ठभूमि है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों का प्रावधान करता है।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा रविवार को यहां नौ जगहों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में लगभग 6,000 लोगों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय और कई योग संगठनों के सहयोग से लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, कर्तव्य पथ, पंडारा पार्क, पालिका पार्क और चाणक्यपुरी जैसी जगहों पर ये कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक सरकारी बयान के अनुसार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शांति पथ पर आयोजित योग सत्र में हिस्सा लिया, जबकि जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी लोधी गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

मध्यप्रदेशः ईडी ने 'फर्जी' सड़क निर्माण बिल मामले में छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मध्य प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों से जुड़े 'फर्जी बिल' पेश किए जाने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापे की कार्रवाई के बाद लगभग 23 लाख रुपए नकद जब्त किए गए और करीब तीन करोड़ रुपए की जमा राशि के लेन देन पर रोक लगाई गई। ईडी ने रविवार को यह जानकारी दी।

यह छापेमारी 19 जून को रीवा और जबलपुर जिलों में की गई थी।

ईडी ने इस मामले में राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया था। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि आरोपियों ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की परियोजना कार्यान्वयन इकाइयों के अधिकारियों के साथ मिलकर कथित रूप से साजिश रची और 'इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड', भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड सहित अन्य कंपनियों के ''जाली'' और ''गढ़े'' रसीद पेश करके सड़क निर्माण कार्य के लिए सरकार से ''धोखाधड़ी'' के माध्यम से भुगतान प्राप्त किया।

ईडी ने कहा कि ये बिल कुल 55.60 करोड़ रुपए के थे, जिससे सरकारी खजाने को उतनी ही राशि का वित्तीय नुकसान हुआ। एजेंसी ने यह भी बताया कि तेल कंपनियों ने संबंधित बिल जारी नहीं किए थे।

छत्तीसगढ़ सरकार योग शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देगी : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार योग के व्यापक प्रचार-प्रसार और इसके संस्थागत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

साय 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योग के संस्थागत विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने योग विषय को समाज कल्याण विभाग से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

साय ने कहा, ''योग, आयुष प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह निर्णय योग शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा जन-जागरूकता गतिविधियों को नई दिशा और गति प्रदान करेगा।'' सरकार का लक्ष्य योग को हर गांव, स्कूल, कॉलेज और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है, ताकि स्वस्थ जीवनशैली एक जन आंदोलन का रूप ले सके। मुख्यमंत्री ने कहा, ''योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक ऐसी पद्धति है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करती है तथा आंतरिक शक्ति, अनुशासन, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है।''

पठानकोट-बैजनाथ मार्ग पर सभी सात ट्रेनें बहाल करने की मांग, यात्रियों ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक यात्री संगठन और कांगड़ा घाटी के कई स्थानीय यात्रियों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पठानकोट-बैजनाथ मार्ग पर केवल दो जोड़ी ट्रेनों के बजाय सभी सात जोड़ी ट्रेनों को बहाल करने का आग्रह किया है, ताकि दैनिक स्तर पर लोगों की भारी भीड़ और यात्रियों के लिए असुरक्षित यात्रा से उत्पन्न खतरे को कम किया जा सके।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुए भारी नुकसान के बाद इस ऐतिहासिक 164 किलोमीटर लंबी नैरो-गेज लाइन पर परिचालन लगभग चार साल तक निलंबित रहा था। ट्रेन सेवाएं बंद होने से पहले, इस मार्ग पर सात जोड़ी ट्रेनें चलती थीं, जो पठानकोट और बैजनाथ पपरोला के बीच लगभग 20 कस्बों के दैनिक यात्रियों को महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करती थीं। रेलवे अधिकारियों ने कहा, ''अगस्त 2022 में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ के कारण चक्की नदी पर ब्रिटिश काल का पुल संख्या 32 बह गया था। इसके अलावा, मानसून के दौरान भूस्खलन से ट्रैक को व्यापक नुकसान हुआ था। सुरक्षा कारणों से यात्री सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा था। अब, हमने दो ट्रेनों की सेवाएं बहाल कर दी हैं और अन्य ट्रेनों को भी चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जाएगा।'' चार साल बाद दो जून को ट्रेन संचालन फिर से शुरू हुआ, जिसमें सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अन्य नेताओं के साथ दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक दिन बाद, पठानकोट और नूरपुर के बीच तीसरी ट्रेन की बहाली ने उम्मीदें जगाई कि शेष चार जोड़ी ट्रेनें भी फिर से शुरू हो जाएंगी। हालांकि, 10 जून को उत्तर रेलवे ने परिचालन बाधाओं और आवश्यक रखरखाव कार्य का हवाला देते हुए तीसरी ट्रेन को रद्द कर दिया। कांगड़ा घाटी रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष पी सी विश्वकर्मा ने कहा, ''तब से, जम्मू मंडल के साथ-साथ रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने शेष पांच जोड़ी ट्रेनों की सेवाएं बहाल करने के सवाल पर चुप्पी साध रखी है।''

अमेरिका-ईरान वार्ता, तेल कीमतों व वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेंगी सोने-चांदी की दिशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका-ईरान वार्ता से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और प्रमुख वैश्विक आर्थिक आंकड़े अगले सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

बाजार की नजर विशेष रूप से स्विट्जरलैंड में होने वाली वार्ता पर रहेगी, जहां अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत का नेतृत्व करने की उम्मीद है। यह बातचीत पिछले सप्ताह बनी उस रूपरेखा पर आगे बढ़ेगी, जिसका उद्देश्य तनाव समाप्त करना है।

विश्लेषकों के मुताबिक, इन वार्ताओं का प्रभाव निवेशकों के जोखिम लेने की धारणा और ऊर्जा

बाजारों को प्रभावित कर सकता है, जिसका सीधा असर बहुमूल्य धातुओं पर पड़ेगा। घरेलू जिंस बाजार शुक्रवार को सुबह के सत्र में मुहर्रम के कारण बंद रहेंगे।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी - जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, सोने और चांदी का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में बना हुआ है, क्योंकि बाजार की नजर अमेरिका-ईरान वार्ता तथा खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल, एलएनजी की आपूर्ति पर है। पिछले सप्ताह मजबूत रुपए और घटती मांग के कारण बहुमूल्य धातुओं में गिरावट दर्ज की गई। 'मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज' पर सोने का वायदा 3,325 रुपए या 2.2 प्रतिशत गिरकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी की कीमत 13,001 रुपए या 5.3 प्रतिशत गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जिंस एवं मुद्रा, जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सोना पूरे सप्ताह दबाव में रहा और लगभग 2.2 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ, क्योंकि ऊर्जा कीमतों में गिरावट, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त नीतिगत रुख ने कीमतों पर दबाव डाला। उन्होंने कहा कि मजबूत रुपया आयातित सोने की लागत को कम करता है, जिससे कीमतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वैश्विक बाजारों में सोने का वायदा भाव मामूली रूप से बढ़त के साथ 4,245.9 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जबकि चांदी 2.03 प्रतिशत गिरकर 66.32 डॉलर प्रति औंस पर रही।

मेर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत डॉलर के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, डॉलर सूचकांक लगभग 100.60 के आसपास बंद हुआ।

योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने रविवार कोक्रूज़ टर्मिनल के पास स्थित मशहूर वेस्ट क्वे 4 पर बड़े पैमाने पर योग प्रदर्शन का आयोजन किया। पानी के किनारे मौजूद इस खूबसूरत जगह ने एक शांत माहौल दिया, जहाँ पोर्ट के अधिकारी सूर्योदय के समय 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' करने के लिए इकट्ठा हुए। योग प्रदर्शन को टग में काम करने वाले कर्मचारियों और श्री रामानुजम ट्रेनिंग सेंटर तक भी बढ़ाया गया, जिसमें स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए वर्कप्लेस योग पर ध्यान दिया गया। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी और कामराजार पोर्ट लिमिटेड के चेयरपर्सन सचिन एस. कुर्वे ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और स्वतंत्र जीवनशैली बनाए रखने के लिए योग के अभ्यास की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम में चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के डिप्टी चेयरपर्सन आईएएस एस. विश्वनाथन , चीफ विजिलेंस ऑफिसर अनुग्रह पी., विभाग प्रमुख और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में इंटरनेशनल योग दिवस के मौके पर 700 से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें 'यंग इंडियंस कोयंबटूर चैप्टर' के 500 छात्र और सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स के 200 जवान शामिल थे। बेंगलुरु के सद्गुरु सन्निधि में, आदियोगी की मौजूदगी में योग और ध्यान सेशन के लिए 3000 से ज़्यादा लोग इकट्ठा हुए। इनमें एनसीसी कैडेट, बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स के जवान, छात्र, ग्रामीण, वॉलंटियर और आम लोग शामिल थे।

चेन्नई के भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अपने दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 मनाया, जिसमें दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई शाखा कार्यालय और दक्षिणी क्षेत्रीय प्रयोगशाला के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के विषय स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जिसमें शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। 75 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया, जिसका संचालन चेन्नई स्थित ला वेलनेस की संस्थापक और प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक लावण्या बालू ने किया।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने रविवार को कोयंबटूर के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया। तमिलनाडु लोक भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह कार्यक्रम स्वस्थ जीवन शैली और समग्र कल्याण के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डालता है। इस समारोह की शुरुआत राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' से हुई।

इस वर्ष की वैश्विक और राष्ट्रीय थीम बढ़ती उम्र में 'योग से रहें निरोग' है, जो जीवन के सभी चरणों में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और सक्रिय व सम्मानजनक जीवन को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर प्रकाश डालती है। राज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कोयंबटूर के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में 1,500 से अधिक छात्रों के साथ 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया और दैनिक जीवन में योग के महत्व पर विचार साझा करते हुए प्रमुख योगासनों का अभ्यास किया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने भी कोयंबटूर में योग किया। इसके अलावा, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रामेश्वरम में योगाभ्यास किया। राज्य में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों ने भी अलग-अलग स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया।

स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग जरूरी

दक्षिणी रेलवे ने पूरे क्षेत्र में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे ने 21 जून को अपने अधिकार क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। चेन्नई में मुख्य योग सत्र नुंगमबक्कम स्थित रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित किया गया।

दक्षिणी रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक विपिन कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन और संचालन किया। दक्षिणी रेलवे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सत्र में भाग लिया। कार्मिक शाखा द्वारा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ए. नारायणन के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में चेन्नई डिवीजन के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, प्रतिभागियों ने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के तहत निर्धारित विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। सत्र में ताड़ासन, वृक्षासन, भद्रासन और वज्रासन जैसे बुनियादी आसन शामिल थे, जिनका अभ्यास अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ किया गया। दक्षिणी रेलवे के सभी छह डिवीजनों, चेन्नई, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सलेम, पलक्कड़ और तिरुवनंतपुरम में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

इसी तरह के कार्यक्रम जोन की प्रमुख कार्यशालाओं, जैसे पेरम्बूर कैरिज वर्क्स, लोको वर्क्स और गोल्डन रॉक वर्कशॉप में भी आयोजित किए गए। अधिकारियों और कर्मचारियों ने संभागीय मुख्यालयों, कार्यशालाओं और विभिन्न फील्ड इकाइयों में आयोजित योग सत्रों में भाग लिया।

इस योग दिवस पर, दक्षिणी रेलवे ने अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच स्वस्थ जीवन शैली और समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आयुष मंत्रालय की पहल के अनुरूप, भारतीय रेलवे हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक तंदुरुस्ती और संतुलित जीवन शैली के लिए योग के महत्व को बढ़ावा देता है।

तिरुवल्लूर में अमोनिया गैस रिसाव से दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक निजी फिश मील निर्यात कारखाने की उत्पादन इकाई में अमोनिया गैस रिसाव के कारण दो महिलाओं की मौत हो गई और 62 अन्य लोग प्रभावित हुए। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। यह घटना पेरियापालयम के निकट कनिगैपेयर गांव में हुई। सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव और लोक स्वास्थ्य के अतिरिक्त निदेशक को शामिल करते हुए तीन सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया है तथा 24 घंटे के भीतर अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिनों में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। इससे पहले पुलिस ने मृतकों की संख्या सात बताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की एक विज्ञप्ति और स्वास्थ्य मंत्री के. जी. अरुणराज ने बाद में इसे दो बताया।

अरुणराज ने कहा कि इस स्तर के प्रभाव वाला अमोनिया गैस रिसाव पहले कभी नहीं हुआ है। मंत्री ने कहा, चिकित्सकों का कहना है कि हमने कहीं भी इस तरह के इतने उच्च स्तर वाले मामले नहीं देखे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति में गिरावट देखी जा रही है और बताया कि गंभीर स्थिति वाले मरीजों को निजी अस्पतालों से सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा, ''एक व्यक्ति को निजी अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था, और दूसरे व्यक्ति की वहां इलाज के दौरान मौत हो गई।'' मंत्री के अनुसार, 28 मरीज वेल्स मेडिकल कॉलेज में, 18 वेंकटेश्वर अस्पताल में, 10 राजीव गांधी सरकारी अस्पताल (एमएमसी) में और सात सरकारी स्टेनली अस्पताल में भर्ती हैं। ड्यूटी पर तैनात कुल 64 कर्मी, जिनमें 60 महिलाएं और चार पुरुष शामिल थे, अचानक हुए गैस रिसाव से प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री विजय ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक को दो.दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके गृह राज्यों में सरकारी खर्च पर भिजवाया जाये। इस बीच, 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अंतर्गत कार्यरत परिधीय संस्थान कैप्टन श्रीनिवास मूर्ति, 12वें अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस में भाग लिया। इस कार्यक्रम से लगभग 300 विद्यार्थी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एस. चित्रा, प्रभारी सहायक निदेशक द्वारा किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आर. सी. सुप्रिया ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. हिन्दुवासिनी हरिता, एम.डी. (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा) ने दैनिक जीवन में योग का महत्व विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल (उधझ) सत्र का मार्गदर्शन प्रदान किया।

केंद्र सरकार कोयला गैसीकरण की ओर बढ़कर ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार आयात कम करने के उद्देश्य से कोयला से गैस बनाने की दिशा में रणनीतिक बदलाव और भारी प्रोत्साहन के जरिए ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है।

रेड्डी ने कहा कि कोयला से गैस बनाने के लिए सरकार लगभग 46,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन दे रही है और अगले दो महीनों में 35 से अधिक कंपनियां भारत में इस क्षेत्र में गतिविधियां शुरू करेंगी।

उन्होंने कहा, ''हम उन कंपनियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं जो इस उद्देश्य के लिए तकनीक लेकर भारत आ रही हैं, ताकि तकनीकी अंतर को दूर किया जा सके।'' मंत्री ने कहा कि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है और देश के लगभग 73 प्रतिशत ताप विद्युत परियोजनाओं में कोयले से बिजली उत्पादन किया जाता है। उन्होंने

यह भी याद दिलाया कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में 25,016 करोड़ रुपये की लागत वाली लखनपुर कोयला गैसीफिकेशन परियोजना की आधारशिला रखी है।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत के विशाल कोयला भंडार का अधिकतम उपयोग करने, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने और आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चिकित्सा पर्यटन कंपनी की आड़ में चल रहा था केरल का अंग तस्करी गिरोह : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल में कथित अंग तस्करी गिरोह के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच से पता चला है कि यह गिरोह एक चिकित्सा पर्यटन कंपनी की आड़ में काम कर रहा था और मुनाफा कमाने के लिए आर्थिक तंगी से जूझ रहे अंगदाताओं का शोषण करता था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय ने केरल पुलिस की ओर से दर्ज कई प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के बाद हाल में अस्पतालों समेत राज्य के नौ स्थानों पर छापेमारी की थी।

ईडी ने एक बयान में कहा कि पुलिस के मामलों में एक सुनियोजित आपराधिक गिरोह का खुलासा होने के बाद जांच शुरू की गई। उसने कहा कि यह गिरोह परोपकारी अंगदान और चिकित्सा पर्यटन की आड़ में जालसाजी, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और अवैध अंग तस्करी में कथित तौर पर शामिल था। ईडी ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी मोहम्मद नजीब के. और उसकी साझेदार रशीदा ए. ए. ने

अपनी मुखौटा कंपनी कल्लाथारस मेडिकल टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड' के जरिये 2021 से 2026 के बीच इस गिरोह को संचालित किया।

उसने कहा कि ''आरोपियों ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे अंगदाताओं को एजेंटों और बिचौलियों के एक नेटवर्क के माध्यम से निशाना बनाया और उन्हें पांच लाख रुपये से 15 लाख रुपये तक देने का लालच दिया, जबकि अंग प्राप्त करने वालों से 20 लाख रुपये से 35 लाख रुपये या उससे अधिक वसूले गए।''

एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने पुलिस द्वारा कथित रूप से जारी परोपकारी अंगदान प्रमाणपत्रों, जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्रों, आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य सहायक दस्तावेजों समेत कई दस्तावेजों की जालसाजी की। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि जाली दस्तावेज एर्नाकुलम जिले के पल्लीक्करा स्थित 'सन कम्युनिकेशंस डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) सेंटर' और 'साइन एचडी डिजिटल स्टूडियो' में कथित तौर पर तैयार किए गए। ईडी ने बयान में कहा, ''इसके बाद एर्नाकुलम के प्रमुख अस्पतालों में अवैध प्रतिरोपण प्रक्रियाएं कराई गईं।''

एजेंसी ने कहा कि अपराध से अर्जित आय का पता लगाने, वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने और अवैध अंग व्यापार से जुड़े रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य तथा वित्तीय लेन-देन का विवरण बरामद करने के लिए छापे मारे गए। ईडी ने कहा कि तलाशी के दौरान जांचकर्ताओं ने अंग प्रतिरोपण ऑपरेशन से जुड़े जाली दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए। इनमें अंगदाताओं एवं अंग प्राप्त करने वालों का विवरण और मंजूरी हासिल करने के लिए जिलास्तरीय प्राधिकरण समिति के समक्ष जमा किए गए दस्तावेज भी शामिल हैं।

एजेंसी ने कथित रूप से अपराध से अर्जित आय का इस्तेमाल कर खरीदी गई संपत्तियों का पता लगाने के लिए आरोपियों और उनके सहयोगियों की अचल संपत्तियों का विवरण भी एकत्र किया। ईडी ने कहा, अवैध अंग व्यापार में मदद करने वाले एजेंटों और बिचौलियों के बैंक खातों को फ्रीज करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। इसके अलावा आरोपियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों का विवरण हासिल कर लिया गया है तथा अपराध से अर्जित आय के प्रवाह और उसे विभिन्न लेन-देन के जरिये छिपाने की प्रक्रिया का पता लगाने के लिए इसका विश्लेषण किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। केरल पुलिस ने इस गिरोह के संबंध में अब तक छह मामले दर्ज किए हैं और कथित सरगना मोहम्मद नजीब समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नजीब को पिछले महीने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था।

एक उपासना केंद्र के प्रार्थना स्थल के पास फैला तनाव, भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल में पथनमथिट्टा के समीप ओमालूर के एक हॉल में रविवार को एक पादरी द्वारा संचालित ईसाई उपासना केंद्र प्रार्थना सभा आयोजित करने वाला था, लेकिन इस आयोजन से पहले ही उसके (हॉल के) बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के चलते तनाव फैल गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया कि इस संगठन से संबद्ध कर्मचारियों ने 17 साल के एक लड़के के साथ मारपीट की है। जिले में 'एलोहिम ग्लोबल वर्शिप सेंटर' की ओर से आयोजित प्रार्थना सभा के लिए श्रद्धालु हॉल के बाहर बाइबिल लेकर जमा हुए और उन्होंने प्रार्थना के लिए अंदर जाने देने की अनुमति मांगी। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं समेत प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे धार्मिक उपासना के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि धार्मिक गतिविधियों की आड़ में होने वाले कथित शोषण और क्रूरता का विरोध कर रहे हैं।

जब दोनों गुट सेंटर के बाहर जमा हो गये तब पुलिस को हालात पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में, श्रद्धालुओं को प्रार्थना हॉल के परिसर में जाने और प्रार्थना करने की इजाजत दे दी गई। यह विरोध-प्रदर्शन उस पुलिस जांच के बाद हो रहा है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 'एलोहिम ग्लोबल वर्शिप सेंटर' के कर्मचारियों ने वहां रह रहे एक किशोर के साथ मारपीट की थी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की आरंभिक जांच में ऐसे संकेत मिले हैं कि केंद्र में रह रहे दूसरे बच्चों के साथ भी शायद ऐसा ही हुआ हो। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ़्तार किया। आरोपियों की पहचान संस्थान के प्रबंधक रेजी तथा कर्मचारियों बेनी और सिजू के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, इडुक्की जिले के अनाकारा का 17 साल का लड़का पिछले कुछ महीनों से इस केंद्र में रह रहा था। उसे परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उसकी पढ़ाई और भविष्य में नौकरी के लिए मदद का वादा किया गया था। जांचकर्ताओं का आरोप है लड़के को पढ़ाई-लिखाई में मदद नहीं दी गई, बल्कि उससे संस्थान में काम करवाया गया। पुलिस ने किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि लोगों का शोषण किया जा रहा था और कमज़ोर लोगों को आर्थिक फ़ायदे के लिए वृद्धाश्रम और संगठन से जुड़े दूसरे संस्थानों जैसी जगहों पर लाया जा रहा था। केंद्र से जुड़े श्रद्धालुओं ने आरोपों का खंडन किया।

योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सिरोही जिले के आबू रोड स्थित नक्की झील के निकट आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लिया और लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। उन्होंने योग सत्र के बाद उपस्थित लोगों को स्वस्थ एवं फिट रहने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई। शर्मा ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। उन्होंने कहा कि योग केवल युवाओं के लिए ही नहीं बल्कि बढ़ती उम्र के लोगों को भी शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की भारत की प्राचीन पद्धति है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया ने योग के महत्व को स्वीकार किया है और इसका नियमित अभ्यास तनाव कम करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, भारत की योग परंपरा विश्व को नई दिशा दिखा रही है। योग 'निरोगी काया' और स्वस्थ मन प्राप्त करने का माध्यम है। इसके लिए किसी विशेष संसाधन की आवश्यकता नहीं होती और इसे हर व्यक्ति अपना सकता है। शर्मा ने कहा कि योग केवल एक दिन का आयोजन बनकर नहीं रहना चाहिए बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, स्वस्थ परिवार से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है और स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र की नींव रखता है। उन्होंने लोगों से योग को नियमित आदत के रूप में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, कई सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस बीच, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में योग साधकों, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, होमगार्ड जवानों, एनसीसी कैडेटों, विद्यार्थियों और आमजन ने भाग लेकर योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा तथा जयपुर की निवर्तमान महापौर सौम्या गुर्जर मौजूद रहीं। जोधपुर में सम्राट अशोक उद्यान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिक्षा एवं जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, सांसदों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं भीलवाड़ा और बीकानेर सहित राज्य के विभिन्न जिलों में भी योग दिवस पर सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए। बीकानेर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने योगाभ्यास किया और लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

जलाशय में डूबने से मां-बेटे की मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के सदर थाना क्षेत्र के बानो की बेरी दूध गांव में रविवार सुबह जलाशय (डिग्गी) में डूबने से मां-बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सदर थानाधिकारी करतार सिंह ने बताया कि जियो देवी (30), अपने सात वर्षीय बेटे हितेश के साथ मायके आई हुई थी और रविवार सुबह दोनों घर के पास बने जलाशय के किनारे सेल्फी ले रहे थे। उन्होंने बताया कि जियो देवी जब अकेले सेल्फी लेने के लिए बेटे को नीचे उतार रही थी कि तभी हितेश का पैर फिसल गया और वह जलाशय में जा गिरा।

अधिकारी ने बताया कि बेटे को बचाने के लिए जियो देवी भी जलाशय में कूद गई। पुलिस के अनुसार, आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को बचाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची तथा जेसीबी की मदद से जलाशय की दीवार तोड़कर पानी निकाला गया। पुलिस के मुताबिक, करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव बाहर निकाले गए।

थानाधिकारी ने बताया कि दोनों शवों को धोरीमन्ना अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है और ससुराल पक्ष को घटना की सूचना दे दी गई है। मृतका के भाई जालाराम ने बताया कि जियो देवी की शादी वर्ष 2015 में कितनोरिया निवासी गोसाईराम के साथ हुई थी और वह अपने सात वर्षीय बेटे हितेश के साथ तीन दिन पहले ही मायके आई थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए मां अम्बाजी शक्ति पीठ के दर्शन

बनासकांठा (गुजरात)/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित अम्बाजी शक्ति पीठ में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर शक्तिपीठ प्रबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मां अम्बे की प्रतिमा भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'योग भी वोट भी' कार्यक्रम के तहत आमजन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/बाड़मेर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को आदर्श स्टेडियम में जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन की सहभागिता के साथ योगाभ्यास के जरिए स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जिला मुख्यालय से सरहद तक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आदर्श स्टेडियम में पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, प्रभारी सचिव रोहित गुप्ता, जिला कलक्टर चिन्मयी गोपाल, पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट, अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतेश आर्य समेत विभिन्न जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं आमजन की उपस्थिति में योगाभ्यास किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्मिकों तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए करीब एक घंटे तक योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। प्रभारी सचिव रोहित गुप्ता ने आमजन को योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने एवं नगर परिषद के तत्वावधान में स्वच्छ भारत अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी संबंधित शपथ दिलाई। इस अवसर पर यूआईटी सचिव विवेक व्यास, आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक रमेश धनदे, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णसिंह महेचा, कोषाधिकारी जसराज चौहान, जिला शिक्षा अधिकारी देवाराम चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विष्णुराम विश्नोई, प्रमुख चिकित्साधिकारी डॉ. हनुमानराम चौधरी समेत विभिन्न जन प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक, बीएसएफ, पुलिस, आरएसी के जवान, एनसीसी कैडेटस, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इधर, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगाभ्यास का आयोजन हुआ।

स्वच्छता युक्त, अतिक्रमण मुक्त रहें आबूराज 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आबूराज/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आबूराज के पर्यटन, आध्यात्मिक एवं पर्यावरणीय विशिष्टताओं के अनुरूप सर्वांगीण विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों को परस्पर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने के साथ ही संभागीय आयुक्त एवं मुख्य सचिव को निरंतर मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित भी किया। मुख्यमंत्री रविवार को आबूराज में आबूपर्वत विकास समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आबूराज में शहरी विकास, सड़क, पार्किंग, आवागमन के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक पर्यटकों का आगमन हो। उन्होंने अधिकारियों को नक्की झील के सौंदर्यकरण, प्रकाश व्यवस्था, रंग रोगन, सीढ़ियों की मरम्मत, सीवरेज सहित विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में विशेष रूप से निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि आबूराज ऋषि-मुनियों की भूमि रही है। यहां धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करने के लिए मंदिरों का सूचीकरण किया जाए। मुख्यमंत्री ने आबूराज को क्लीन एवं ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर देते हुए इसे स्वच्छता युक्त एवं अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के संबंध में निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आबूराज की सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय विशिष्टता को संरक्षित रखते हुए टोकन कार्य में ऑनलाइन प्रणाली को पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए और निर्माण सामग्री के आवागमन पर निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आबूराज में 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विवेकानंद पार्क का सौंदर्यकरण, गुरु शिखर का सौंदर्यकरण एवं सुदृढ़ीकरण, अर्बुदा माता मंदिर एवं दत्तात्रेय मंदिर के विकास कार्यों, ईवी व्हीकल को बढ़ावा देने और भारत माता नमन स्थल को नमो उद्यान के रूप में विकसित करने सहित विभिन्न विकास कार्यों से आबूराज इको फ्रेंडली, क्लीन-ग्रीन एवं स्पिरिचुअल बन सकेगा। इन सभी सहित विभिन्न 100 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों पर उन्होंने दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए कहा कि आबू पर्वत विकास समिति की नियमित बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री केके विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, लुंबाराम चौधरी, विधायक समाराम, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव, नगरीय विकास आलोक गुप्ता, स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन, पर्यटन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। वहीं, संबंधित मंत्रीगण एवं विभागीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अर्जुन राम मेघवाल ने किया योगाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/बीकानेर। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सामूहिक योगाभ्यास कर आमजन को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा,बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, कोलायत विधायक अंशुमान सिंह, डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, श्रीमती सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ, जिला प्रभारी सचिव हेमंत कुमार गेरा, आईजी ओमप्रकाश,जिला कलेक्टर निशांत जैन, एसपी मृदुल कच्छावा,रेलवे डीआरएम गौरव गोविल, नगर निगम कमिश्नर सिद्धार्थ पलानीचामी, एडीएम प्रशासन उम्मेद सिंह रतनू, एसडीएम (आईएएस) सुमहिमा कसाना, बीडीए उपायुक्त कुणाल राहड़, निगम उपायुक्त श्रीमती दमयंती, कोषाधिकारी धीरज जोशी, श्याम सिंह हाडलां, सत्यप्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, चंपालाल गेदर, अशोक प्रजापत, तोला राम कूकना, संतोषानन्द, आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ राधेश्याम, सहायक निदेशक डॉ जितेन्द्र सिंह भाटी, डॉ इरशाद रफीक, जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष समेत अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग को जन जन तक पहुंचाने व योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूती मिलती है तथा व्यक्ति तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जी सकता है। केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने योग संकल्प करवाया। कार्यक्रम में विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में करवाया गया। हजारों की संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग किया।

कार्यक्रम के दौरान योग दिवस की थीम के अनुरूप सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक और योग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ पवन पारीक ने बताया कि जिला स्तरीय आयोजन में कुल 6 हजार 402 लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के आखिर में आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉ रिड़मल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन शिक्षा विभाग में सहायक निदेशक गोमाराम जीनगर ने किया। आयोजन के सफल संचालन में जिला प्रशासन, आयुर्वेद विभाग, शिक्षा विभाग तथा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

योगाभ्यासियों ने स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

जयपुर/सवाई माधोपुर,। जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार के आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को सवाई माधोपुर के पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि तथा राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान पतंजलि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया गया। जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत योग प्रशिक्षक रजत भारद्वाज एवं डॉ. पूजा द्वारा विभिन्न योग क्रियाएं करवाई गई। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वैश्विक पहचान मिली है।

केंद्रीय रेल मंत्री ने बीकानेर-साबरमती स्पेशल रेल को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर रेलवे स्टेशन से बीकानेर (लालगढ़)-अहमदाबाद (साबरमती) विशेष रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैष्णव ने इस अवसर पर कहा कि बीकानेर क्षेत्र की जनता को लंबे समय से बेहतर रेल संपर्क की आवश्यकता थी, जिसे इस नई रेल सेवा के माध्यम से पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नई रेल सेवा बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा यात्रियों को बेहतर व सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराएगी। रेल मंत्री ने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से स्थानीय व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा विभिन्न शहरों के बीच आवागमन अधिक सुगम व सुविधाजनक होगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे विकास कार्य प्रगति पर हैं। अमृत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। बीकानेर, लालगढ़, नोखा, सादुलपुर, चूरू और रतनगढ़ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य भी तेजी से जारी है। रेल मंत्री ने राजस्थान में जारी स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर और जैसलमेर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास स्थानीय कला एवं संस्कृति के अनुरूप किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में नई रेल लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से अधिक रेल सेवाओं का संचालन संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है। वैष्णव ने बताया कि हाल के समय

में राजस्थान के लिए कई नई ट्रेनों की शुरुआत की गई है, जिनमें बीकानेर, जोधपुर, अजमेर और जयपुर से संचालित वंदे भारत, अमृत भारत और विभिन्न एक्सप्रेस रेल सेवाएं शामिल हैं।

उन्होंने बीकानेर से चंडीगढ़ के लिए नई ट्रेन शुरू करने के प्रस्ताव पर अधिकारियों को निर्देश दिए। रेल मंत्री ने कहा, बीकानेर से चंडीगढ़ के लिए रूट तय करके बताएं, ताकि इसे जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में रेल लाइन निर्माण कार्य को पूरी जिम्मेदारी के साथ लिया गया है और इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

वैष्णव ने कहा, बुलेट ट्रेन परियोजना 2027 में शुरू होगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के समय राजस्थान में रेलवे विकास के लिए 682 करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बढ़ाकर 10,228 करोड़ रुपये कर दिया है और इस बजट से राजस्थान में कई विकास कार्य हो रहे हैं। रेल मंत्री ने कहा कि राजस्थान में 76,800 करोड़ रुपये के रेलवे कार्य चल रहे हैं, 85 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है और 24 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कई नई रेल लाइनों का निर्माण भी किया जा रहा है। वैष्णव ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बिना कहा, ''जादूगरों को जादू करने दो, हम अपना काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राजनीति के बजाय विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और जनता से किए गए वादों को पूरा कर रही है। केंद्रीय कानून एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रेल मंत्री का बीकानेर आगमन पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बीकानेर के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्टेशन महोत्सव का उल्लेख किया और वंदे भारत रेल सेवा के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावा उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ, मंडल रेल प्रबंधक बीकानेर गौरव गोविल, रेलवे अधिकारी और अन्य लोग मौजूद रहे। रेल अधिकारियों ने बताया कि बीकानेर (लालगढ़)-अहमदाबाद (साबरमती) एक्सप्रेस से अहमदाबाद, मेहसाणा, पाटन और बनासकांठा जिलों के साथ-साथ राजस्थान के जालोर, बालोतरा, जोधपुर, नागौर और बीकानेर जिलों के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

बिहार में मुख्यमंत्री ने योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया, कहा- पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा योग

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को कहा कि लोगों के बीच योग को बढ़ावा देने के लिए अगले वर्ष से बिहार के स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में योग को शामिल किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को बिहार के विभिन्न हिस्सों में सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री ने पटना के कंकड़बाग स्थित पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया और योग को दुनिया के लिए भारत का अमूल्य उपहार बताया। इस योग शिविर में निशांत कुमार सहित कई राज्य मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी भाग लिया।

चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''बिहार के स्कूलों और कॉलेजों की शिक्षा व्यवस्था में शारीरिक प्रशिक्षण पहले से ही शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''योग को हर घर तक पहुंचाने के लिए अगले वर्ष से बिहार के सभी स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाएगा, ताकि लोग अधिक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। योग स्वस्थ और समृद्ध भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जो स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। चौधरी ने कहा कि मुंगेर योग का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दुनिया भर से लोग प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं और योग के वैश्विक प्रसार में योगदान देते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आइए, संकल्प लें कि योग को प्रत्येक व्यक्ति की जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ, समृद्ध तथा विकसित बिहार के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।''

गोरखपुर में नौ माह की बच्ची से बलात्कार के आरोप में पकड़ा गया 12 साल का लड़का

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले के गुलरिहा क्षेत्र में पुलिस ने नौ माह की बच्ची से बलात्कार के आरोप में 12 साल के एक लड़के को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई इस घटना में बच्ची शुक्रवार की रात अपनी मां के पास सो रही थी, तभी रात करीब दो बजे वह संदिग्ध हालात में गायब हो गयी। उन्होंने बताया कि परिजन ने बच्ची की तलाश शुरू की और शनिवार सुबह वह घर से लगभग 500 मीटर दूर एक खेत में बने टिन शेड के पास लहूलुहान हालत में मिली। सूत्रों ने बताया कि परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए, जहां हालत बिगड़ने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मेडिकल जांच में बच्ची से बलात्कार की पुष्टि हुई है और उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान पुलिस को 12 साल के एक लड़के पर संदेह हुआ जो पीड़िता का रिश्तेदार भी है। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले चंडीगढ़ से आये उस लड़के से पुलिस ने पूछताछ की तो शुरू में तो उसने गुमराह करने की कोशिश की, मगर बाद में उसने बच्ची से बलात्कार करने का गुनाह कुबूल कर लिया।

तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के सहयोगी सुमित रॉय पर धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के करीबी सुमित रॉय के खिलाफ पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरोपी सुमित रॉय के खिलाफ हाल ही में जमीन हड़पने का भी मामला दर्ज किया गया था और पश्चिम बंगाल पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। पुलिस ने रॉय की तलाश में कोलकाता में बनर्जी के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया था। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के देबरा थाने में रॉय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने रॉय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में गिरफ्तार मेदिनीपुर के पूर्व विधायक सुजॉय हाज़रा को भी नामजद किया गया है।

एक वरिष्ठ सीआईडी अधिकारी ने कहा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर एजेंसी स्थानीय पुलिस को हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, ''हम शिकायत की जांच कर रहे हैं और सभी संबंधित दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं। हर आरोप का साक्ष्यों के आधार पर सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।''

जहां योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग है, न बीमारी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है तथा रोग, बीमारियों और समय से पहले आने वाले बुढ़ापे से बचाव संभव है। उन्होंने लोगों से योग को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई किले में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''योग को केवल 21 जून तक सीमित न रखकर जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। स्वस्थ शरीर ही व्यक्ति को शिक्षा, श्रम, कृषि, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में सफलता दिला सकता है।'' योगी ने कहा कि योग शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है और स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क व स्वस्थ बुद्धि का आधार है। स्वस्थ छात्र, शिक्षक, किसान, श्रमिक, वैज्ञानिक और नागरिक ही समाज तथा राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि योग को वैश्विक पहचान दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के लगभग 200 देश योग से जुड़ चुके हैं और इस वर्ष की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की दिशा दिखाती है। योगी ने आयुष पद्धति के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ आत्मा का आधार संतुलित जीवनशैली है। आयुष प्रणाली का लाभ जितना अधिक लोग उठाएंगे, उतना ही यह व्यक्ति और देश दोनों के लिए हितकारी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय ऋषि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

योग मानवता के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में एक है: अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के टी परनाइक ने शनिवार को योग को 'मानवता के लिए भारत के सबसे बड़े उपहारों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि यह बीमारियों से बचाव के लिए आसान और टिकाऊ तरीका है, जो मानसिक सेहत एवं संतुलित जीवनशैली बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां लोक भवन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस वैश्विक आयोजन से भारत की सदियों पुरानी सभ्यतागत समझ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता का पता चलता है। प्राचीन भारतीय परंपराओं पर आधारित योग अब इंसानों के बीच स्वास्थ्य, शांति और एकता के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। इस साल की थीम 'बढती उम्र में योग से रहे निरोग' का ज़िक्र करते हुए, परनाइक ने कहा कि योग सभी उम्र के लोगों को फ़ायदा पहुंचाता है, यह जीवन भर शारीरिक फ़िटनेस, मानसिक सतर्कता और भावनात्मक सेहत बनाए रखने में मदद करता है। योग अच्छी सेहत, सकारात्मकता और आंतरिक शक्ति को बढ़ावा देता है, जिससे यह केवल एक व्यायाम से कहीं बढ़कर बन जाता है। परनाइक ने कहा कि कोविड महामारी के बाद के दौर में इसका महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि अब मानसिक मज़बूती और भावनात्मक संतुलन बहुत ज़रूरी हो गए हैं।

मथुरा में मक्के की फसल में दाने नहीं आने से किसान परेशान, जांच के लिए दो समितियां गठित

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में मक्के की फसल किसानों के लिए धोखा साबित हुई है। फसल हरी-भरी होने के बावजूद भुट्टों में दाने नहीं आए हैं। इससे खेत तैयार करने से लेकर खाद, बीज और सिंचाई पर किया गया निवेश बर्बाद होता दिख रहा है। प्रभावित किसानों ने सरकार से नुकसान की भरपाई की मांग की है। किसानों की शिकायत पर राज्य कृषि निदेशालय ने आगरा मंडल के संयुक्त कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव की अगुआई में जांच समिति बनाई है। समिति में उप कृषि निदेशक का प्रभार देख रहे जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. योगेश कुमार शर्मा और बीज निर्माता कंपनी हिल इंडिया का एक प्रतिनिधि शामिल है।

समिति भुट्टे, मक्का बीज की आनुवंशिक गुणवत्ता, प्रभावित खेतों की मिट्टी की सेहत व नमी समेत अन्य जरूरी तथ्यों की जांच करेगी। विशेषज्ञ यह भी देखेंगे कि फसल खराब होने के पीछे बीज की गुणवत्ता, प्रतिकूल मौसम या मिट्टी के पोषक तत्वों का असंतुलन वजह है या नहीं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के नेतृत्व में अलग टीम बनाई है। इसमें जिला कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रशांत वर्मा और वरिष्ठ सहायक कृषि रक्षाकर्मी संजीव कुमार शामिल हैं। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट में बीजों में खराबी या धोखाधड़ी मिलने पर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और किसानों को मुआवजा दिलाया जाएगा।

ताजमहल से बीदर के किले तक: एएसआई ने कई ऐतिहासिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आगरा के मशहूर ताजमहल और वारंगल के किले से लेकर बीदर के किले तक, देश भर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित कई स्थलों पर योग सत्र आयोजित किए गए।

दिल्ली में केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने पुराने किले में आयोजित एक सत्र में हिस्सा लिया। उनके साथ एएसआई के महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस साल 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है जिसका विषय 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' है। यह विषय सभी उम्र के लोगों के लिए योग के महत्व पर जोर देता है। एएसआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस मौके पर उसने देश भर में एएसआई संरक्षित स्मारकों पर 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' विषय के तहत योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए। इसने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन कुछ जगहों की झलक दिखाई गई है जहां योग सत्र आयोजित किए गए। इनमें आगरा (उत्तर प्रदेश) का ताजमहल और फतेहपुर सीकरी, राजस्थान में डीग पैलेस, तेलंगाना में वारंगल का किला, कर्नाटक में बीदर का किला और केरल में बेकल का किला शामिल हैं। एएसआई ने एक पोस्ट में कहा, ''भारत की शाश्वत धरोहर की पृष्ठभूमि में, प्रतिभागियों, अधिकारियों, योग प्रेमियों और पर्यटकों ने एक साथ आकर योग आसन किए। उन्होंने संपूर्ण स्वास्थ्य, सक्रिय जीवनशैली और मन व शरीर के बीच तालमेल के संदेश को अपनाया।'' वहीं, एक अन्य पोस्ट में एएसआई ने लिखा कि इस साल के विषय को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के पुराने किले में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। एएसआई के अधिकार क्षेत्र में पूरे देश में 3,686 पुरातात्विक स्थल और स्मारक हैं।

बंगाल सरकार पुलिसकर्मियों, लोकसेवकों पर हमलों से निपटने के लिए दो विधेयक लाएगी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार सार्वजनिक अव्यवस्था, तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों तथा लोकसेवकों पर हमलों के मामलों से सख्ती से निपटने के लिए विधानसभा में दो विधेयक पेश करने जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गृह विभाग प्रस्तावित विधेयक को मंजूरी के लिए राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष सोमवार को प्रस्तुत कर सकता है।

राज्य सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन विधेयकों को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रस्तुत किए जाने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, ''इन विधेयकों का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जब पुलिसकर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों और यहां तक कि केंद्रीय बलों पर भी अपने कर्तव्यों का पालन करते समय हमले हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि इन विधेयकों में से एक पश्चिम बंगाल सार्वजनिक व्यवस्था संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया है, जो दंगे, आगजनी, लूटपाट, विस्फोटकों के इस्तेमाल और सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वाली अन्य गतिविधियों से संबंधित है।

मोदी ने योग दिवस कार्यक्रम के लिए कोलकाता के निवासियों का धन्यवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए कोलकाता के लोगों को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम से पहले शहरव्यापी स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए नागरिकों की सराहना की।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं कोलकाता के अपने भाइयों और बहनों का इस वर्ष के योग दिवस समारोह की शानदार मेजबानी करने के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इतने जीवंत शहर में योग दिवस मनाना बहुत गर्व और सम्मान की बात है।''

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम से पहले शहरभर में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की और कहा कि कोलकाता के लोगों ने जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। उन्होंने कहा, ''योग दिवस की तैयारियों के दौरान पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। वह भी बहुत प्रेरणादायक है। कोलकाता के लोगों ने नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन के संबंध में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है।''

जद(यू) की राज्य परिषद ने निशांत कुमार को 'बड़ी भूमिका' सौंपने का प्रस्ताव पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने पार्टी में कुछ महीने पहले शामिल हुए निशांत कुमार को 'बड़ी भूमिका' सौंपने का रविवार को प्रस्ताव पारित किया। वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि जद(यू) की राज्य परिषद की बैठक में इस संबंध में एक 'राजनीतिक प्रस्ताव' पारित किया गया। उन्होंने कहा, ''राज्य परिषद की बैठक में, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के पुनर्निर्वाचन को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।''

महनार से मौजूदा विधायक कुशवाहा को इस साल मार्च में लगातार तीसरी बार जद(यू) का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उन्हें सबसे पहले 2021 में पार्टी के इस अहम पद पर नियुक्त किया गया था। इसे जद(यू) के पारंपरिक समर्थक आधारकुर्मी और कोइरी जातियों (जिन्हें स्थानीय राजनीतिक शब्दावली में 'लव-कुश' कहा जाता है) को एकजुट करने की कोशिश के तौर पर देखा गया था।

सुनील कुमार से यह भी पूछा गया था कि क्या निशांत के बारे में कोई प्रस्ताव पारित किया गया है। निशांत भाजपा नीत बिहार की राजग सरकार में स्वास्थ्य मंत्री हैं। यह सरकार निशांत के पिता नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए चुने जाने और अप्रैल में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा देने के बाद बनी थी।

हरमनप्रीत कौर 200 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान महिला और पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 200 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

हरमनप्रीत ने मार्च 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे प्रारूप में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और उसी साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ टॉनटन में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। मैच शुरू होने से पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार और उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने हरमनप्रीत को एक खास जर्सी और कैप दी जिन पर '200' लिखा हुआ था। टॉस के समय हरमनप्रीत ने कहा, ''सच कहूं तो यह एक शानदार सफर रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी दूर तक आ पाऊंगी, लेकिन मुझे लगता है कि भगवान की मुझ पर कृपा रही है और मैं उनकी, अपने परिवार, दोस्तों, बीसीसीआई और अपनी सभी टीम की साथियों की बहुत आभारी हूं। उन्होंने हमेशा मेरा बहुत साथ दिया है।''

कोई दबाव नहीं था, इस श्रृंखला में काफी कुछ सिखने को मिला: सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। किशोर सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि लीग चरण में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहने के बावजूद त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं था।

पिछले मुकाबले में लचर प्रदर्शन तथा आक्रामक व्यवहार से सुर्खियां बटोरने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी योजनाओं पर भरोसा रखते हुए स्वाभाविक खेल खेला जिससे भारत ए ने श्रीलंका ए के खिलाफ रविवार को फाइनल में 66 रन से जीत दर्ज की।

इस 15 साल के खिलाड़ी ने 29 गेंदों पर 94 रनों की विस्फोटक पारी के दौरान 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया। उनकी इस पारी ने खिताबी मुकाबले में भारत 'ए' की जीत की नींव रखी। सूर्यवंशी इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टी20 का हिस्सा है और उन्हें उस दौरे पर पदार्पण का मौका मिल सकता है। मैच के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए सूर्यवंशी ने कहा, ''मैंने कुछ खास नहीं सोचा था। बस पहले दस ओवरों में अपनी योजना को लागू करना चाहता था और फिर आगे बढ़ना चाहता था।''

उनकी इस आक्रामक पारी ने वैसा ही प्रभाव छोड़ा जैसा उन्होंने इस वर्ष अंडर-19 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर किया था।

सूर्यवंशी की आतिशी शुरुआत की बदौलत भारत ए ने नौ ओवरों में ही 132 रन बना लिए थे। मध्यक्रम में कुछ धीमी बल्लेबाजी के बावजूद टीम ने नौ विकेट पर 377 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर श्रीलंका ए की पारी को 47.1 ओवर में 311 रन पर समेट दिया। यह फाइनल उसी टीम के खिलाफ था, जिसके खिलाफ पिछले मुकाबले में भारत 'ए' सुपर ओवर में हार गया था। इस मैच में सूर्यवंशी का श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ मैदान पर विवाद भी हुआ था।

आईपीएल में 72 छक्कों के रिकॉर्ड और 700 से अधिक रन के साथ वाहवाही बटोरने के बाद उस घटना और टूर्नामेंट में औसत प्रदर्शन (चार पारियों में 117 रन) के कारण उनके फॉर्म और संयम पर सवाल उठे थे।

बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें कभी दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कोई दबाव नहीं था। मैं अपनी योजना को ठीक से लागू नहीं कर पा रहा था, लेकिन कोच से बात करने के बाद मैंने सुधार किया। इस शृंखला में मैंने बहुत कुछ सीखा।''

टी20 विशेषज्ञ माने जाने वाले सूर्यवंशी ने कहा कि वे 50 ओवर प्रारूप में भी सहज हैं और अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने की चुनौती का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने काफी 50 ओवर क्रिकेट खेला है। लोग शायद इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते। अलग-अलग परिस्थितियों में ढलना ही सबसे बड़ी चुनौती थी और इस शृंखला में मुझे अच्छा अनुभव मिला।''

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की संभावना को खारिज किया

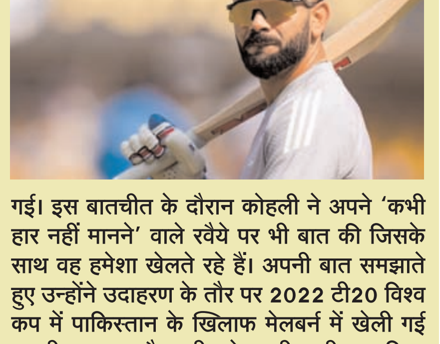

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली से रविवार को जब पूछा गया कि वह फिर से सफेद जर्सी पहनकर मैदान में लौटना चाहेंगे तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह अपने नए लांच किए गए जूतों की बिक्री कम होना पसंद करेंगे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं करेंगे। पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली अब केवल एक प्रारूप में ही खेलते हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 9,230 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने नए जूतों की कीमत भी अपने टेस्ट रन के बराबर रखी है।

'वन8 ग्लोबल' के प्रीमियर कार्यक्रम में उनसे मजाक में पूछा गया कि क्या वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहेंगे ताकि उनके लाल रंग के जूतों की बिक्री और मुनाफा बढ़ सके। ये जूते टेस्ट क्रिकेट में उनके योगदान और समर्पण से प्रेरित हैं। इस पर कोहली ने हंसते हुए कहा, ''मैं कम बिक्री होना पसंद करूंगा। मैं इससे (टेस्ट क्रिकेट से) आगे बढ़ चुका हूं। '' उनके इस जवाब पर मौजूद लोगों की हंसी छूट गई। इस बातचीत के दौरान कोहली ने अपने 'कभी हार नहीं मानने' वाले रवैये पर भी बात की जिसके साथ वह हमेशा खेलते रहे हैं। अपनी बात समझाते हुए उन्होंने उदाहरण के तौर पर 2022 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेली गई अपनी यादगार मैच जीताने वाली पारी का जिक्र किया। कोहली ने कहा, ''मैं ऐसा ही हूं। मुझे ऐसी स्थितियां पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप खेल को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं।''

सुविचार

हर नई सुबह एक नया अवसर लेकर आती है, बशर्ते आप बीते हुए कल के बोझ को आज न ढोएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कब प्राप्त होंगे ये लक्ष्य?

उत्तराखंड ने पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। यह इस राज्य की बड़ी उपलब्धि है। इसके पीछे केंद्र और राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बड़ी भूमिका रही है। उत्तराखंड के समस्त निवासी बधाई के हकदार हैं, जिन्होंने अपने राज्य को पूर्ण साक्षर बनाने में योगदान दिया। अब अन्य राज्यों की बारी है। वे भी आगे आएं, कोशिश करें और पूर्ण साक्षर राज्य बनें। उत्तराखंड ने तो मिसाल कायम कर दी है। यह विश्वास है कि भविष्य में अन्य राज्य भी इस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। हम आज़ादी के इतने दशकों बाद 'साक्षरता' की बात कर रहे हैं! इससे यह संकेत मिलता है कि हमारी कोशिशों में कहीं न कहीं कमियां रही हैं। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य तो प्राप्त करना ही चाहिए। साथ ही, इससे बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए पूर्ण मनोयोग के साथ जुट जाना चाहिए। कितना अच्छा हो, अगर कोई राज्य यह कहे कि हमने बेरोजगारी पर 100 प्रतिशत विजय प्राप्त कर ली है! यह मुश्किल जरूर है, असंभव नहीं है। अगर इरादे मजबूत हों तो राज्य सरकारें ऐसा कर सकती हैं। इसके लिए व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की जरूरत है। सरकारें चाहें तो ये सुलभ करा सकती हैं। युवाओं को स्थानीय संसाधनों और संभावनाओं के आधार पर प्रशिक्षित किया जाए। ग्रामीण युवाओं को इस योग्य बनाया जाए कि उन्हें पलायन न करना पड़े। गांव में अपना घर-द्वार छोड़कर शहर में किराए के मकान में रहना, भीड़ में धक्के खाना और कठोर संघर्ष का सामना करना बहुत मुश्किल होता है। यह व्यवस्था जवानी का एक बड़ा हिस्सा निचोड़ लेती है। इसमें सुधार होना चाहिए।

पूर्ण साक्षरता की तरह पूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य भी होना चाहिए। विदेशी पर्यटक हमारे 'सिविक सेंस' का मजाक बनाते हैं। हम उन्हें पूरी तरह गलत नहीं ठहरा सकते हैं। अगर आस-पास देखेंगे तो ऐसे कई लोग नजर आएंगे, जो अच्छे-खासे पढ़े-लिखे हैं, महंगा मोबाइल फोन रखते हैं, महंगी गाड़ियों में घूमते हैं, लेकिन वे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते हैं। हाल में राजस्थान के जयपुर शहर में एक बगीचा बनाया गया। वहां लोग सुबह-शाम सैर और व्यायाम आदि के लिए आने लगे। महीनेभर में ऐसे लोगों का जमघट लगने लगा, जिनका सबसे बड़ा मकसद बगीचे में गंदगी फैलाना है। वे प्लास्टिक की खाली बोतलें फेंक देते हैं। तंबाकू, गुटखा जैसे पदार्थों का सेवन करते हैं और इधर-उधर थूकते हैं। बिस्किट, चिप्स जैसी चीजें खाकर खाली पैकेट वहीं छोड़ देते हैं। अगर कोई उन्हें यह कहते हुए समझाए कि 'हमें बगीचे को स्वच्छ रखना चाहिए', तो वे झगड़ा करने लगते हैं। जवाब देते हैं, 'अकेले हम ही गंदगी फैला रहे हैं क्या? अन्य लोग भी ऐसा करते हैं। पहले उन्हें समझाकर आएं।' जब यह रवैया रहेगा तो 'स्वच्छ राजस्थान' और 'स्वच्छ भारत' का निर्माण कैसे होगा? आज हमारे देश के कई सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैला हुआ है। उसके लिए अंग्रेजों या किसी विदेशी आक्रांता को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं। इसकी जिम्मेदारी हम सबको लेनी होगी। यह हमारा देश है। इसमें हम रहते हैं। इसे स्वच्छ बनाने के लिए कोई दूसरा नहीं आएगा। सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक को इसे स्वीकार करना होगा। हमारे देश के लोग जब जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में घूमकर आते हैं तो यह कहते हुए स्वच्छता की तारीफ करते हैं- 'वहां सड़क पर एक तिनका तक नहीं था।' इन देशों में लोग इतने जागरूक हैं कि वे खुद ही कचरा नहीं फैलाते हैं। क्या हमें अपने देश को इतना स्वच्छ बनाने से कोई मना कर रहा है? हम भी ऐसा कर सकते हैं। बस, इरादा चाहिए, जागरूकता चाहिए और आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने का साहस चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस की विचारधारा को बूथ लेवल तक मज़बूत किया गया, कार्यकर्ताओं को ताकत दी गई, और लोगों की आवाज़ को मज़बूती से एक संकल्प के ज़रिए उठाया गया, क्योंकि संगठन बनाने के ट्रेनिंग कैंप का उद्घाटन झंडा फहराने की रस्म के साथ हुआ।

-सचिन पायलट

इस फादर्स डे पर, उन सभी पिताओं को मेरा सलाम, जो अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखने के लिए, दुनिया की मुश्किलों और परेशानियों को सहते हुए, बिना थके कोशिश करते हैं। दिव्य पिता का त्याग, स्नेह, समर्पण और कोमल प्रेम जीवन में एक अनमोल वरदान है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

'आरोग्य महोत्सव 2026' में हिस्सा लेते हुए, जो सभी के बेहतरीन स्वास्थ्य, हेल्दी लाइफस्टाइल और लोगों में जागरूकता के लिए समर्पित है, मैंने हेल्थ, योग, बैलेंस्ड डाइट और प्रिवेंटिव मेडिसिन के महत्व पर अपने विचार शेयर किए और सभी से हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने की अपील की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

एकाग्रता की शक्ति

नन्ही एन. वेल्लारमथी कक्षा में बैठी थी। शिक्षिका बच्चों को स्वामी विवेकानंद का पाठ पढ़ाते हुए बोलींस्वामी विवेकानंद का कहना था कि यदि मुझे दोबारा अपनी शिक्षा शुरू करनी हो, तो मैं केवल तथ्यों को इकट्ठा नहीं करूंगा, बल्कि अपनी एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाऊंगा। एकाग्र मन अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी प्राप्त कर सकता है। क्या तुम्हें मालूम है कि स्वामी विवेकानंद ने एकाग्रता की तुलना सूर्य की किरणों से की थी? तुम सब रोज़ आकाश में सूर्य देखते हो। सभी बच्चों ने सहमति में सिर हिलाया। इसके बाद शिक्षिका बोलीं 'चलो, आज एक प्रयोग करते हैं। मैं तुम्हें बताऊंगी कि हमारे जीवन में एकाग्रता क्यों जरूरी है।' शिक्षिका ने एक लेंस लिया और उसके नीचे कागज़ रखा। लेंस के माध्यम से सूर्य की किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित किया गया। कुछ ही देर में कागज़ जल गया। नन्ही वेल्लारमथी उत्साह से बोली 'वाह! यह तो चमत्कार है।' शिक्षिका ने समझाया 'बच्चों, यह चमत्कार नहीं, बल्कि एकाग्र ऊर्जा का परिणाम है। यदि तुम भी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करोगे, तो जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हो।'

सामयिक

जंगल में आग, धधक रहे हैं पहाड़

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9425488224

वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल में बदली वनाग्नि को नहीं बुझाया जा सकता है। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और उद्यानों से ग्राम और ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये लोग जब तक जंगल के वासी रहे, तब आग अपवादस्वरूप ही लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे।

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी आग पर वायु सेना ने काबू न पाया होता तो बड़े संकट का सबब बन गई होती? हालांकि अभी भी पहाड़ धधक रहे है। हिमाचल के सोलन जिले के कसोली क्षेत्र में लगी आग सैन्य ठिकानों और आवासीय इलाकों तक पहुंच गई थी। वन अमला आग बुझाने का कोई सार्थक उपाय कर नहीं पाया, तब भारतीय वायु सेना को राहत अभियान में उतरना पड़ा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जंगल की आग गंगोत्री राजमार्ग पर पहुंच गई थी, जहां गेस्ट हाउस में ठहरे 70 यात्रियों को बड़ी मुश्किल से बचाया। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और रामवन जिलों में कई दिनों से पहाड़ अभी भी धधक रहे है। अनेक गांव आग के दायरे से घिरते जा रहे है।

गर्मियों के शुरू होते ही इन राज्यों के पहाड़ी वनों में आग लगने की घटनाएं प्रतिवर्ष सुर्खियां बनने लगती हैं, लेकिन किसी भी राज्य ने आग न लगे ऐसे स्थायी प्रबंध करने की जरूरत आज तक नहीं समझी है। आरक्षित वनों में आग लगने की इन घटनाओं से हजारों हेक्टेयर जंगल सुलग कर राख में तब्दील हो जाते हैं। हिमाचल के अकेले कसौली वनक्षेत्र में 10 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया है। उत्तराखंड में वनाग्नि की 388 से ज्यादा घटनाएं दर्ज होने के साथ तीन लोगों की मृत्यु भी हो गई है। 340 हेक्टेयर वन भूमि अभी भी धधक रही है। चमोली के आदिबद्री और कालसी में ग्रामों तक आग पहुंच गई। पौड़ी में आग लगाने के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। जम्मू-कश्मीर के रामवन, चंदरकोट और उधमपुर में अभी भी कई वनक्षेत्र धधक रहे हैं, इन पहाड़ी क्षेत्रों में आग पर काबू पाना इसलिए मुष्किल होता है, क्योंकि पहाड़ी क्षेत्रों में राहत की सुविधाएं आसानी से पहुंच नहीं पाती। यहां आग बुझाने का काम वन अमले और स्थानीय लोगों की मदद से ही संभव हो पाता है। हिमाचल की आग पर तो इसलिए काबू पा लिया गया, क्योंकि वायु सेना ने आग बुझाने की कमान अपने हाथ में ले ली थी। हेलिकॉप्टरों में बाम्बी बकेट प्रणाली का प्रयोग करके आग नियंत्रित कर ली गई। इस तरीके में निकट के जल-स्रोतों से पानी भरकर सीधे आग वाले क्षेत्रों में गिरा दिया जाता है। चूंकि आग तीन राज्यों के बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई थी, इसलिए हेलिकॉप्टरों से आग बुझाना संभव ही नहीं है।

यूं तो जंगल में आग लगना एक सामान्य घटना है। वन-प्रांतरों में आग लगती ही रहती हैं। उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष आग की सबसे ज्यादा घटनाएं देखने में आती हैं। उत्तराखंड का भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 64.79 प्रतिशत, यानी 34,651.014 वर्ग किमी वन क्षेत्र हैं। इनमें से 24414408 वर्ग किमी क्षेत्र वन विभाग के अधीन हैं। इसमें से करीब 24260.783 वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वनों की श्रेणी में हैं। शेष 39.653 वर्ग किमी जंगल वन पंचायतों के नियंत्रण में हैं। आरक्षित वनों में से 394383.84 हेक्टेयर भूमि में चीड़ के जंगल हैं और 383088.12 हेक्टेयर बांस एवं शाल के वन हैं। वहीं 614361 हेक्टेयर में मिश्रित वन हैं। लगभग 22.17 फीसदी वन क्षेत्र खाली पड़ा है। चीड़ के जंगल और लैंटाना की झाड़ियां इस आग को फैलाने में सबसे ज्यादा जिम्मेबार हैं। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है।

जंगल में आग लगने के कई कारण होते हैं। जब पहाड़ियां तपिश के चलते शुष्क हो जाती हैं और चट्टानें भी खिसकने लगती हैं, तो अकसर घर्षण से आग लग जाती है। तेज हवाएं चलने पर जब बांस परस्पर टकराते हैं तो इस टकराव से पैदा होने वाले घर्षण से भी आग लग जाती है। बिजली गिरना भी आग लगने के कारणों में शामिल है। ये कारण प्राकृतिक हैं, इन पर विराम लगाना नामुमकिन है। किंतु मानव-जनित जिन कारणों से आग लगती है, वे खतरनाक हैं। इसमें वन-संपदा के दोहन से अटाटूट मुनाफा कमाने की होड़ शामिल है। भू-माफिया, लकड़ी माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों के गठजोड़ की तिकड़ी इस करोबार को फलने-फूलने में सहायक बनी हुई है। राज्य सरकारों ने आजकल विकास का पैमाना भी आर्थिक उपलब्धि को माना हुआ है, इसलिए सरकारें पर्यावरणीय क्षति को नजरअंदाज करती हैं। आग लगने की मानवजन्य अन्य वजहों में बीड़ी-सिगरेट भी हैं, तो कभी शरारती तत्व भी आग लगा देते हैं। कभी ग्रामीण पालतू पशुओं के चारे के लिए सूखी व कड़ी पड़ चुकी घास में आग लगाते हैं। ऐसा करने से धरती में जहां-जहां नमी होती है, वहां-वहां घास की नूतन कोंपलें फूटने लगती हैं। जो मवेशियों के लिए पौष्टिक आहार का काम करती हैं। पर्यटन वाहनों के साइलेंसरों से निकली चिंगारी भी आग की वजह बनती है।

आग से बचने के कारगर उपायों में पतझड़ के दिनों में टूटकर गिर जाने वाले जो पत्ते और टहनियां आग के कारक बनते हैं,उन्हें जैविक खाद में बदलने के उपाय किए जाएं। केंद्रीय हिमालय में 2.1 से लेकर 3.8 टन प्रति हेक्टेयर पतझड़ होता है। इसमें 82 प्रतिशत सूखी पत्तियां और बांकी टहनियां होती हैं। जंगलों पर वन विभाग का अधिकार प्राप्त होने से पहले तक ज्ञान परंपरा के अनुसार ग्रामीण इस पतझड़ से जैविक खाद बना लिया करते थे। यह पतझड़ मवेशियों के बिछौने के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। मवेशियों के मल-मूत्र से यह पतझड़ उत्तम किस्म की खाद में बदल जाता था। किंतु अव्यावहारिक वन कानूनों के वजूद में आने से वनोपज पर स्थानीय लोगों का अधिकार खत्म हो गया। स्थानीय ग्रामीण और मवेशियों का जंगल में प्रवेश वर्जित हो जाने से पतझड़ यथास्थिति में पड़ा रहकर आग का प्रमुख कारण बन रहा है। इस सब के बावजूद जंगल में लगी आग को बुझाने के तरीके परंपरागत हैं। वन अमला हरी टहनियों की झाड़ू बनाता है और उसकी फटकार से आग बुझाने का काम करता है। इस तरीके से दावानल में बदली वनाग्नि को नहीं बुझाया जा सकता है। वनों में आग लगने का एक बड़ा कारण आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और उद्यानों से ग्राम और ग्रामवासियों का विस्थापन किया जाना भी है। ये लोग जब तक जंगल के वासी रहे, तब आग अपवादस्वरूप ही लगती थी, क्योंकि ये लोग आग लगते ही उसे बुझा दिया करते थे। साफ है, विदेषों का अनुकरण हमारे वनों को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है।

नजरिया

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है।

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया। यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक रपव सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है। कई लौटे हुए परिवारों ने अपने पुराने पड़ोसियों से मुलाकात की। वर्षों बाद हुए इन मिलनों में भावनाएँ स्वाभाविक रूप से उमड़ पड़ीं। कुछ लोगों ने उन दिनों को याद किया जब पूरा गाँव एक परिवार की तरह रहता था। कुछ ने अपने उन मित्रों को याद किया जिनके साथ उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। ऐसे अवसर यह दिखाते हैं कि राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवीय रिश्तों की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। यही स्मृतियाँ भविष्य में नए विश्वास का आधार भी बन सकती हैं। इस घटना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पुलवामा का नाम पिछले कई वर्षों तक आतंकवाद, हिंसा और तनाव से जुड़ी खबरों में प्रमुखता से आता रहा है। देश और दुनिया के अनेक लोगों के मन में पुलवामा की पहचान संघर्ष और अस्थिरता से जुड़ी रही है। ऐसे क्षेत्र से भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द की खबर सामने आना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। यह बताता है कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविकता केवल संघर्ष तक सीमित नहीं होती। वहाँ रहने वाले सामान्य लोग शांति, सम्मान और बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखते हैं। मुर्रान की घटना इसी आकांक्षा का सार्वजनिक रूप से प्रकट होना है। कश्मीर का इतिहास साझा सांस्कृतिक विरासत का इतिहास रहा है। यहाँ विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित किया है। साहित्य, संगीत, भाषा, खानपान और सामाजिक व्यवहार में इस साझा विरासत की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच संबंध केवल पड़ोसी समुदायों के संबंध नहीं थे, बल्कि वे एक साझा सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा भी थे। विस्थापन के कारण इस पहचान को गंभीर क्षति पहुँची। इसलिए जब कोई धार्मिक आयोजन दोनों समुदायों को एक मंच पर लाता है तो वह केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि उस साझा इतिहास का भी स्मरण कराता है जिसने कश्मीर की विशिष्ट पहचान को जन्म दिया था। हालाँकि इस सकारात्मक घटना के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। कश्मीरी पंडितों की स्थायी और सम्मानजनक घर-वापसी का मुद्दा आज भी पूरी तरह हल नहीं हुआ है। हजारों परिवार अभी भी घाटी से बाहर रहते हैं। अनेक लोगों के सामने सुरक्षा, रोजगार, आवास और संपत्ति से जुड़े प्रश्न मौजूद हैं। कई परिवारों की नई पीढ़ियाँ उन स्थानों से दूर बड़ी हुई हैं जहाँ उनके पूर्वज रहते थे। उनके लिए वापसी का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इसलिए यदि व्यापक स्तर पर पुनर्वास की प्रक्रिया को सफल बनाना है तो उसके लिए दीर्घकालिक और ठोस नीतिगत प्रयास आवश्यक होंगे। सुरक्षा की भावना किसी भी पुनर्वास प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। जो परिवार कभी असुरक्षा के कारण अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए थे, उनके मन में स्वाभाविक रूप से अनेक आशंकाएँ मौजूद हो सकती हैं। ऐसे में केवल सरकारी व्यवस्थाएँ ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुर्रान में स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रदर्शित सद्भाव इसी संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। जब पड़ोसी समुदाय स्वयं आगे बढ़कर विश्वास और स्वागत का संदेश देता है, तब पुनर्वास की संभावनाएँ अधिक मजबूत होती हैं।

रोजगार और आर्थिक अवसर भी वापसी के प्रश्न से जुड़े हुए हैं। यदि किसी परिवार को अपने पैतृक स्थान पर लौटना है तो उसे सम्मानजनक जीवनयापन के साधनों की आवश्यकता होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है। यह प्रक्रिया छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ती है। किसी मंदिर में आयोजित पूजा, किसी पुराने पड़ोसी से मुलाकात, किसी साझा स्मृति का पुनर्स्मरण या किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता जैसे प्रयास समाज को धीरे-धीरे निकट लाने का कार्य करते हैं। संवाद की यही प्रक्रिया भविष्य में अधिक व्यापक सामाजिक मेल-मिलाप का आधार बन सकती है। शांति और सद्भाव की खबरें अक्सर संघर्ष और हिंसा की खबरों जितनी चर्चा नहीं पातीं, जबकि समाजों के पुनर्निर्माण में ऐसे सकारात्मक उदाहरणों का महत्व अत्यंत अधिक होता है। मुर्रान की घटना यह दर्शाती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोगों के भीतर सहअस्तित्व और सम्मान की भावना जीवित रह सकती है। यह भावना ही किसी समाज को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। कश्मीरी पंडितों की वापसी का प्रश्न केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं है। यह कश्मीर की बहुलतावादी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। जब विभिन्न समुदाय सम्मान और सुरक्षा के साथ एक ही समाज में रहते हैं, तभी उस समाज की विविधता और समृद्धि बनी रहती है। इसलिए कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी को केवल पुनर्वास की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि कश्मीर की सांस्कृतिक पूर्णता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी देखा जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'योग कीजिए, निरोगी रहिए', अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर फिल्मी हस्तियों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

मुंबई/एजेन्सी

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों और अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। बेंगलुरु और मुंबई में आयोजित कार्यक्रमों में फिल्म जगत की कई हस्तियों ने भी हिस्सा लिया और योग को जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। बेंगलुरु में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में टॉलीवुड अभिनेत्री करुण्या गौड़ा ने कहा, मुझे इस योग कार्यक्रम का हिस्सा बनने और भारतीय नागरिक होने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। योग की शुरुआत लगभग 5,000 साल पहले हुई थी। स्वामी विवेकानंद ने इसे दुनिया भर में पहचान दिलाई थी। इंटरनेशनल योग डे का यह 12वां एडिशन है, इसे बेंगलुरु में बीजेपी पार्टी ऑफिस के सामने मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स, बड़े-बुजुर्ग और हमारी तरह जेन-जी के युवा बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं। हर कोई इस सेलिब्रेशन का हिस्सा है और लोगों में इतना उत्साह देखकर अच्छा लग रहा है, क्योंकि हाल के समय में बहुत सारे लोग जिम जाने के प्रति ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने अपने रोजमर्रा के जीवन में योग की भूमिका के बारे में बताया और कहा, मैं रोज सुबह 20 मिनट और रात को सोने से पहले 20 मिनट मेडिटेशन करती हूं। यह मेरे लिए अनिवार्य है। मैं लगभग 20 बार सूर्य नमस्कार भी करती हूं। मुझे जिम जाना ज्यादा पसंद नहीं है। अगर आप मुझसे पूछें, तो इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बावजूद ऐसा कोई साल नहीं रहा, जब मैं रेगुलर जिम गई हूं, लेकिन योग रोजाना करती हूं, इसलिए मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है।

वहीं, योग दिवस के मौके पर मुंबई में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें दिवंगत किसानों के 1,000 से ज्यादा बच्चों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) स्कूलों के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने योगाभ्यास किया। साथ ही फिटनेस, स्वास्थ्य और योग को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में शाहिद कपूर भी शामिल हुए।इस अवसर पर अमृता फडणवीस ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, योग कीजिए, निरोगी रहिए। आज का युवा बेहद स्मार्ट है। वहीं नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दी।अभिनेता जैकी श्रॉफ ने भी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। हाथ में पौधा लेकर उन्होंने कहा, गहरी सांस लें और इसे (पौधा) लगाएं।

उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर युवाओं को संदेश दिया और कहा कि वो पीएम मोदी की सेहत को देखें और उनसे सीखें। वह सिर्फ 3 घंटे सोते हैं और एक्टिव रहते हैं। कार्यक्रम में मौजूद अभिनेता शाहिद कपूर ने भी योग के महत्व को लेकर कहा, यह एक बहुत अच्छी पहल है और यहां बड़ी संख्या में बच्चे योग कर रहे हैं। मेरा मानना है कि योग हमारी विरासत और संस्कृति का हिस्सा है। मैंने कई बार योग किया है और मुझे लगता है कि यह मन, शरीर और आत्मा को जोड़ता है। यह आपके शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है। योग करने से आपके अंदरूनी अंग भी सक्रिय होते हैं।

योग

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर रविवार को वर्ली स्थित छड्डउख डोम में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' समारोह के दौरान योग मुद्रा में।

मिमी चक्रवर्ती ने सुरक्षा की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का किया रुख

कोलकाता/एजेंसी

टॉलीवुड अभिनेत्री और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती ने सुरक्षा की मांग को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। इस मामले की सुनवाई सोमवार को न्यायमूर्ति कौशिक चंदा की अदालत में होने की संभावना है। मिमी चक्रवर्ती ने बनगांव के भाजपा नेता तनय शास्त्री के खिलाफ याचिका दायर की है। पूरा मामला 25 जनवरी का है, जब मिमी चक्रवर्ती बनगांव में 'नया गोपालगंज युवक संघ' द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने पहुंची थीं। रात करीब 11:45 बजे वह मंच पर अपनी प्रस्तुति दे रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान क्लब के एक पदाधिकारी तनय शास्त्री अचानक मंच पर चढ़ गए। बताया जाता है कि तनय शास्त्री ने कार्यक्रम को बीच में ही रोक दिया और मिमी चक्रवर्ती को मंच से नीचे उतरने के लिए कहा। इस घटना से अभिनेत्री खुद को सार्वजनिक रूप से अपमानित महसूस करने लगीं। कार्यक्रम के तुरंत बाद उन्होंने बनगांव पुलिस थाने में तनय शास्त्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

मिमी चक्रवर्ती की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपी के खिलाफ कदम उठाए। हालांकि बाद में तनय शास्त्री को जमानत मिल गई। जमानत पर रिहा होने के बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। मामला यहीं नहीं रुका। जेल से बाहर आने के बाद तनय शास्त्री ने मिमी चक्रवर्ती के खिलाफ 20 लाख रुपए का मानहानि का मुकदमा भी दायर कर दिया। इसके जवाब में मिमी चक्रवर्ती ने भी उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। इस बीच राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ और पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आ गई। इसी बदले हुए राजनीतिक माहौल और चल रहे कानूनी विवाद के बीच मिमी चक्रवर्ती ने अब अपनी सुरक्षा को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

सामूहिक विवाह

पटना में 'माँ वैष्णो देवी सेवा समिति' द्वारा आयोजित एक सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हिस्सा लेतीं नवविवाहित दुल्हनें।

जापान में गीता महोत्सव के दौरान मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

चंडीगढ़/भाषा। जापान में चल रहे 'अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव' के दौरान रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों, भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योग अभ्यास, ध्यान और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं की शिक्षाओं के माध्यम से इस कार्यक्रम ने भारत-जापान मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने का एक सशक्त संदेश दिया। जापान में 19 से 23 जून तक अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव की शुरुआत शुक्रवार को जापान की संसद के सदस्यों, प्रमुख राजनेताओं, विद्वानों और भारत-जापान मैत्री के समर्थकों को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट करके की गई। रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का एक विशेष वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया।

सैनी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि योग भारत की एक अमूल्य विरासत है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखाया है। उन्होंने जापान में आयोजित गीता महोत्सव की भी तारीफ़ की और आयोजकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी। मशहूर आध्यात्मिक गुरु स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग सिर्फ़ शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और वैश्विक सद्भाव का रास्ता है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया, जो तनाव, चिंता और संघर्ष से जूझ रही है, उसमें योग और श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश बहुत ज़रूरी और प्रासंगिक है।

महोत्सव में हरियाणा सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वरिष्ठ अधिकारी अमित अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार योग और गीता को दुनिया भर में बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के जरिये भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया भर के अलग-अलग देशों तक पहुंचाया जा रहा है।

जापान के कई शहरों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों ने हिस्सा लिया। योग और ध्यान के प्रति जापान के लोगों की गहरी रुचि भारत की आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति बढ़ते आकर्षण का सबूत है। इस कार्यक्रम के दौरान खास मेहमान योगमाता केइको आइकावा को सम्मानित किया गया। उन्होंने भारत में आयोजित महाकुंभ में भी हिस्सा लिया था और भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने योग और ध्यान के जरिये विश्व शांति और मानव कल्याण पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपराएं पूरी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और जापान में योग और ध्यान के प्रति बढ़ती रुचि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मज़बूत करेगी।

खामोश रहकर भाव दिखाना सबसे बड़ी चुनौती : सोनाली बेंद्रे

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों एक नई वेब सीरीज 'राख' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सीरीज में कहानी, माहौल और अभिनय तीनों की काफी चर्चा हो रही है। खासकर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का किरदार लोगों का ध्यान खींच रहा है। लंबे समय बाद स्क्रीन पर वापसी करने वाली सोनाली ने इस बार एक ऐसे किरदार को निभाया है जिसमें डायलॉग्स बेहद कम हैं और पूरा अभिनय भावनाओं और खामोशी के जरिए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए कितना अलग और चुनौतीपूर्ण रहा।

सोनाली बेंद्रे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''मेरे पास काम करने के लिए बहुत अच्छा कंटेंट था। सच कहूं तो मेरा 50 प्रतिशत से ज्यादा काम पहले हो गया था। कहानी ने मुझे इतना मजबूत आधार दिया कि मुझे अपने किरदार को गढ़ने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी।'' सोनाली ने कहा, ''मेरे किरदार में डायलॉग्स न होना एक अलग अनुभव था। अब मेरी पहले जैसी याददाश्त नहीं रही, इसलिए लंबे डायलॉग याद करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन इस किरदार में इसकी जरूरत ही नहीं थी। मेरे लिए यह बात एक तरह से आसान भी साबित हुई, क्योंकि पूरा फोकस सिर्फ भावनाओं पर था, लेकिन बिना डायलॉग के अभिनय करना उतना आसान नहीं होता जितना दिखता है। इस तरह के किरदार में हर भावना को अंदर से महसूस करना पड़ता है और उसे चेहरे, आंखों और छोटे-छोटे इशारों से जाहिर करना होता है। यह एक अलग तरह की मेहनत है, जहां कलाकार को शब्दों का सहारा नहीं मिलता।''

सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा, ''मेरे किरदार में एक संघर्ष था, जब आप ऐसे किसी किरदार को बहुत गहराई से जीते हैं, तो उसे छोड़ना आसान नहीं होता। कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद भी मैं उस किरदार की भावनाओं से बाहर नहीं निकल पाती थी। कभी-कभी मेरा किरदार मेरे साथ घर तक चला आता था, जो थोड़ा डरावना और थकाने वाला अनुभव था।''

सीरीज 'राख' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी कहानी 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस सीरीज को दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

अधिवेशन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद रविवार को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 'अखिल भारतीय कोली समाज' के 12वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होते हुए।

नेगेटिव कमेंट्स का असर खुद पर नहीं पड़ने देता : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

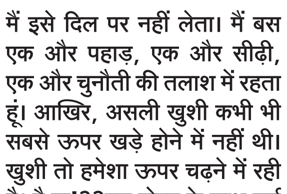

अभिनेता अनुपम खेर ने सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में एक प्रेरक संदेश शेयर किया है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अनुपम खेर बताया कि अब वे नेगेटिव कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं, बल्कि मुश्किलों को पार करने के सफर में मिलती है। अपनी कई तस्वीरें शेयर करते हुए 'तन्वी द ग्रेट' के एक्टर ने लिखा, मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है।

रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें बेहतर महसूस होता है।

अभिनेता ने आलोचना को लेकर कहा, अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें। आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता। मैं बस एक और पहाड़, एक और सीढ़ी, एक और चुनौती की तलाश में रहता हूं। आखिर, असली खुशी कभी भी सबसे ऊपर खड़े होने में नहीं थी। खुशी तो हमेशा ऊपर चढ़ने में रही है। है ना!??इस पोस्ट के साथ कई तस्वीरें भी साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेता खेर सीढ़ी पर बैठकर अलग-अलग पोज़ देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह उनके उस संदेश को दिखाता है जिसमें वे लगातार कोशिश करने, आगे बढ़ने और नई चुनौतियों को अपनाने की खुशी की बात करते हैं।

इसके पहले अनुपम खेर ने आई एम एन इंडियन नाम से एक दमदार और भावुक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में खेर ने भारतीयों से जुड़ी कई आम धारणाओं और रूढ़ियों पर बात की, चाहे वे देश में हों या विदेश में। प्रोफेशनल तौर पर बात करें तो अनुपम खेर आखिरी बार फिल्म तन्वी द ग्रेट में नज़र आए थे, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, ङ्कङ्कपल्लवी जोशी, करण टैकर, नसीरुद्दीन शाह और इयान ग्लेन जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में थे।

अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की जिंदगी में योग और संगीत से आया बदलाव

मुंबई/एजेन्सी

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और वर्ल्ड म्यूजिक डे मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। जिसको लेकर अभिनेत्री एलनाज नौरोजी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि योग और संगीत ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी में बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है। जुबिन नौटियाल के साथ एलनाज अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं और साथ ही योग से मिलने वाले सुकून का भी जश्न मना रही हैं। उन्होंने कहा, योग और म्यूजिक, दोनों से मुझे हमेशा एक जैसा सुकून मिला है। दोनों के लिए जरूरी है कि आप थोड़ा ठहरें, वर्तमान में रहें और अपने अंदर की गहराई से जुड़ें।उन्होंने कहा, एक आर्टिस्ट के तौर पर, मेरी जिंदगी अक्सर यात्रा, परफॉर्मेंस और लगातार भागदौड़ से भरी रहती है, इसलिए योग मुझे बैलेंस बनाने में मदद करता है, जबकि म्यूजिक मुझे उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करता है, जिन्हें कभी-कभी शब्दों में नहीं कहा जा सकता।उन्होंने आगे कहा, यह साल मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मैं इंटरनेशनल योग डे मना रही हूं और साथ ही जुबिन नौटियाल के साथ अपने हिंदी सिंगिंग डेब्यू 'हुआ' के जरिए म्यूजिक की दुनिया में एक रोमांचक नया सफर भी शुरू कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, योग की तरह ही, म्यूजिक में भी लोगों को ठीक करने, उनका हौसला बढ़ाने और उन्हें एक साथ लाने की ताकत है। मुझे इस साल दिल्ली में योग डे के खास सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने पर गर्व है, और मुझे उम्मीद है कि हर किसी को कोई न कोई ऐसी चीज मिलेगी। चाहे वह योग हो, म्यूजिक हो या कुछ और। जिससे उन्हें खुशी, ठहराव और अंदरूनी शांति मिले। एलनाज नौरोजी के प्रोफेशनल करियर की बात करें तो अभिनेत्री को नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में जोया मिर्जा का किरदार निभाकर काफी पहचान मिली। उसके बाद से वह कई फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।

स्कॉटलैंड पर मोरक्को की जीत का नोरा फतेही ने मनाया जश्न

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड डांसिंग डीवा नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्कॉटलैंड के खिलाफ मोरक्को को मिली 1-0 की जीत पर खुशी जाहिर की है। नोरा की मैच को लेकर की गई भविष्यवाणी भी पूरी तरह से सही साबित हुई। मोरक्को की रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'इंस्टाग्राम' पर स्टोरी के जरिए बोस्टन स्टेडियम में हुए मैच की कुछ क्लिप और तस्वीरें शेयर कीं। नोरा ने 28 साल पहले इन दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबले के बारे में दिलचस्प जानकारी भी शेयर की। एक्ट्रेस ने सबसे पहले स्टेडियम से अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने लाल टी-शर्ट के साथ सफेद प्लीटेड शॉर्ट स्कर्ट पहनी हुई थी। फिर उन्होंने अपनी भविष्यवाणी का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें एक वीडियो में यह कहते हुए सुना गया, मैं यहां बोस्टन में मोरक्को बनाम स्कॉटलैंड मैच में हूं। मेरी भविष्यवाणी 1-शून्य है।

दूसरी क्लिप में, नोरा को यह कहते हुए सुना गया: दोस्तों, मजेदार बात यह है कि स्कॉटलैंड और मोरक्को 28 साल बाद एक साथ खेल रहे हैं। उस मैच में मोरक्को ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया था। वे इस मैच के लिए फिर से एक साथ आए हैं; यह जबरदस्त होने वाला है। क्या हम फिर से 3-0 करेंगे? मुमकिन है! मोरक्को ने 70 सेकंड के अंदर जैसे ही मैच में अपना पहला गोल दागा, तो स्टैंड में मौजूद नोरा इस गोल का जश्न मनाती हुई नजर आईं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, मोरक्को बनाम स्कॉटलैंड, मैंने 1-0 की भविष्यवाणी की थी। स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मोरक्को का प्रदर्शन शानदार रहा। मोरक्को ने पूरे मैच में स्कॉटलैंड के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और शुरुआती गोल करने के बाद विपक्षी टीम को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही मोरक्को ग्रुप ए में पहले स्थान पर पहुंच गई है। मोरक्को ने अब तक खेले अपने दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की है। टीम के 2 मैचों के बाद कुल 6 अंक हैं। नोरा इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ हुए मोरक्को के पहले मैच में भी टीम को चीयर करने पहुंची थीं।

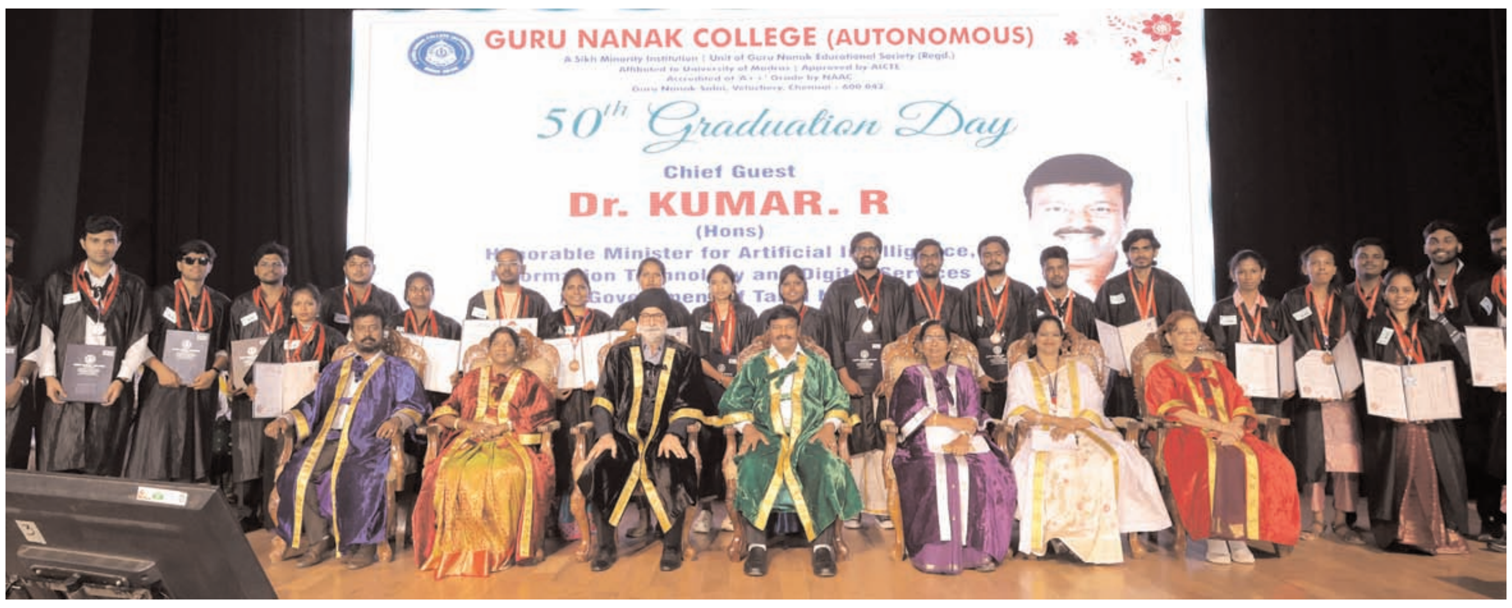

गुरुनानक महाविद्यालय में हुआ दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरु नानक महाविद्यालय(स्वायतशासी) के बाबा दीप सिंह सभागार में स्व-वित्तपोषित शाखा(सेल्फ-फाइनेंसिंग स्ट्रीम) के द्वितीय एवं तृतीय बैच का 50वां दीक्षांत समारोह 19 व 20 जून को आयोजित किया गया। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की पांच दशकों की सेवा यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 19 जून को द्वितीय बैच के दीक्षांत समारोह में तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग की महानिर्देशिका एवं पुलिस महानिर्देशिका आईपीएस सीमा अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी एवं दीक्षांत अभिभाषण दिया। युवा स्नातकों को सम्बोधित करते हुए, अग्रवाल ने उन्हें याद दिलाया कि सफलता को सिर्फ़ प्रोफेशनल उपलब्धियों अथवा आर्थिक समृद्धि से नहीं मापा जा सकता। उन्होंने उन्हें ज़िंदगी के प्रति एक व्यापक नज़रिया अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, सफलता का मतलब सिर्फ़ अमीर बनना नहीं है। अच्छी सेहत, मन की शांति और अच्छे रिश्ते भी उतने ही ज़रूरी हैं।

उन्होंने योग्यता एवं चरित्र को लंबे समय तक चलने वाली सफलता के दो प्रमुख आधार बताए तथा छात्रों से ईमानदारी, सच्चाई, दया व नैतिक आचरण जैसे मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। जो छात्र अपने प्रदर्शन से निराश हो सकते हैं, उन्हें हिम्मत बंधाते हुए उन्होंने कहा, ज़िंदगी खत्म नहीं हुई है। हिम्मत न हारें। आपने जो लक्ष्य तय किया है, उसके लिए खुद को अच्छी तरह तैयार करें। मुख्य अतिथि ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए अपना भाषण समाप्त किया। उन्होंने कुल 27 शीर्ष वरीयता प्राप्त स्नातकों को पदक(मेडल्स) प्रमाणपत्र एवं उपाधियाँ प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कुल 864 स्नातकों को (बैच खख)प्रमाणपत्र एवं उपाधियाँ प्रदान की गयी।

20 जून को तृतीय बैच के 50वें दीक्षांत समारोह में तमिलनाडु के कृत्रिम बुद्धिमत्ता,सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवाओं के मंत्री डॉ. कुमार आर. ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने अभिभाषण में उन्होंने ने छात्रा- छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए संबोधित किया और कहा कि आप भविष्य का सामना जिज्ञासा, अनुकूल क्षमता एवं नवाचार की भावना के साथ करें। अविष्कार एवं नवाचार के दरवाज़े खटखटाते रहे।

कृत्रिम अंगों एवं अन्य उभरती हुई तकनिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए, उन्होंने अविष्कार से पैदा होने वाली असीमित संभावनाओं पर प्रकाश डाला।मंत्री ने बैच 3 के कुल 48 शीर्ष वरीयता प्राप्त स्नातकों को पदक (मेडल्स) प्रमाणपत्र एवं उपाधियाँ प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कुल 832 स्नातकों को प्रमाणपत्र एवं उपाधियाँ प्रदान की गयी। शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के दौरान गुरु नानक महाविद्यालय से कुल 2,215 स्नातकों को प्रमाणपत्र एवं उपाधियाँ प्रदान की गयी हैं।

इस दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक एवं संवाददाता मंजीत सिंह नायर ने की, जिन्होंने दीक्षांत समारोह के आरंभ की घोषणा की। प्रधानाचार्य डॉ. आर. एम. एषिलारासी ने स्वागत भाषण दिया एवं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की बाद में स्नातकों को शपथ दिलाई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनीता मालिशेट्टी, उपप्रधानाचार्य डॉ. पी.वी. कुमरगुरु, डीन अकादमिक, स्पेशल प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. एस. सावित्री, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, मीडिया व अन्य सदस्य, खास मेहमान इस मौके पर मौजूद रहे।

प्रभु कृपा ही जीवन की वास्तविक शक्ति : आचार्य कुलबोधिसूरिश्वर

आरंभ हुआ अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री प्रिंस रत्नपुरी जैन संघ के तत्वावधान तथा आचार्यद्वय श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में आगामी चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर श्री पद्मस्वामी जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ रविवार को श्रद्धा, भक्ति और मंगलमय वातावरण के बीच हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन प्रातःकाल पवित्रता, समृद्धि, मंगल एवं दिव्यता के प्रतीक कुंभ स्थापना तथा ज्ञान-ज्योति के आव्हान स्वरूप दीपक स्थापना संपन्न हुई। इसके पश्चात आध्यात्मिक उन्नति एवं विकास के प्रतीक ज्वारारोपण, माणेक स्तंभ स्थापना तथा विशिष्ट नंदावर्त पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें 292 देवी-देवताओं का फल-नैवेद्य अर्पित कर विधिवत आव्हान किया गया। इसके अलावा धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में नवग्रह पूजन, दशदिक्पाल पूजन, अष्टमंगल पूजन, अधिष्ठायक देव पूजन, रक्षक देव भैरव पूजन, जिनालय एवं धर्मक्षेत्र के संरक्षक देव क्षेत्रपाल पूजन तथा 16 विद्यादेवी पूजन सहित अनेक मंगलकारी विधियां श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुईं। पूजन-विधानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने कहा कि जिनमंदिर का प्रतिष्ठा महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जिनशासन की महिमा, आध्यात्मिक जागृति और मंगल भावनाओं का पर्व है। प्रतिष्ठा के दौरान संपन्न होने वाले प्रत्येक विधि-विधान का अपना विशिष्ट आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व होता है, जो साधक के जीवन में शुभता, श्रद्धा और संस्कारों का संचार करता है।

आचार्यश्री ने प्रेरक उदाहरण देते हुए कहा, जिस प्रकार आंखों को दिखाई देने वाले हरे-भरे बगीचे की वास्तविक शक्ति वह जल है, जो दिखाई नहीं देता, उसी प्रकार हमारे जीवन में दिखाई देने वाली सुख-समृद्धि और संपत्ति की मूल शक्ति प्रभु की अदृश्य कृपा है। हमारा जीवन यदि मंगलमय और सफलतापूर्वक चल रहा है तो उसके मूल में प्रभु का अनंत अनुग्रह ही कार्यरत है। सोमवार को प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर के नए ब्लॉक का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई द्वारा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर में नए ब्लॉक का उद्घाटन आचार्य श्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री पुलकितकुमारजी पावन सन्निधि में जैन संस्कार विधि द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में हुआ। चेन्नई अध्यक्ष श्री विशाल सुराणा ने कहा यहां प्रतिदिन लगभग 200 से ज्यादा सेवार्थी आते हैं इसे जल्द से जल्द डे केयर के रूप में विकसित किया जाएगा।

ब्लॉक केउद्घाटनकर्ता रणजीतमल अक्षय ध्रुव छल्लानी रहे। वहीं डे केयर के सुशीला बाई-महावीरचंद सुराणा परिवार, रूम उद्घाटनकर्ता माणकचंद राकेश संजय मुकेश आच्छा परिवार, स्व.इन्दरचन्द-शांतिदेवी, सुशील-नवनीत सेठिया रहे। संचालन मंत्री मुकेश आच्छा एवं अंकित चौरड़िया ने किया।

व्यवसाय में योग की प्रतिष्ठा करता है अणुव्रत : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत विश्व भारती (अणुविभा) के प्रकल्प अणुव्रत लेखक मंच द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग का ई-व्याख्यान आयोजित किया गया। अणुव्रत लेखक पुरस्कार सम्मानित व्यक्तित्व वक्तव्य श्रृंखला' के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का विषय था- अणुव्रत: अर्जन में अहिंसा और विसर्जन में विवेक का मार्ग।

मुख्य वक्ता डॉ. धींग ने कहा कि अणुव्रत और योग दर्शन, दोनों का प्रथम सिद्धांत अहिंसा है। उन्होंने कहा कि शाकाहार के बिना अहिंसा की पूर्ण साधना संभव नहीं है और अहिंसा के अभाव में योग भी अधूरा रह जाता है। उन्होंने चिंता व्यक्त की, कि आज कुछ स्थानों पर योग को भी व्यवसाय का माध्यम बना दिया गया है, जबकि भारतीय चिंतन परंपरा ने व्यवसाय में भी योग की प्रतिष्ठा की है। कर्म में कुशलता को योग मानते हुए उन्होंने कहा कि अणुव्रत व्यवसाय में अहिंसा, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

डॉ. धींग ने अपनी कविता के माध्यम से कहा कि किसी भी युद्ध में अंततः हथियारों के सौदागर जीतते हैं और मानवता हार जाती है। उन्होंने कहा कि यदि हथियारों के व्यापार पर अंकुश लगाया जाए तो अशिक्षा, गरीबी और बीमारियों जैसी वैश्विक समस्याओं से प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसा कोई व्यवसाय नहीं किया जाना चाहिए, जिसमें मूक प्राणियों की हिंसा जुड़ी हो। अहिंसक एवं नैतिक व्यवसायों में निवेश कर रोजगार सृजन को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्जन के साथ-साथ विसर्जन का भाव भी आवश्यक है। अनासक्त जीवन की साधना अर्जन और विसर्जन के संतुलन से ही संभव है, क्योंकि अर्जन और विसर्जन के बीच ही सर्जन होता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अणुविभा के अध्यक्ष प्रतापसिंह दुगड़ ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया। उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने अणुव्रत समिति चेन्नई की सक्रियता की सराहना करते हुए अपना प्रेरक अनुभव साझा किया कि किस प्रकार उन्होंने आर्थिक हानि सहकर भी अणुव्रत और अहिंसा के सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। अणुव्रत लेखक मंच के राष्ट्रीय संयोजक जिनेन्द्र कुमार कोठारी ने मुख्य वक्ता डॉ. धींग का परिचय दिया। राजेंद्र कुमार सेठिया ने नशामुक्ति अभियान की सफलता से जुड़ा संस्मरण साझा किया। कार्यक्रम में अणुव्रत महासमिति के पूर्व अध्यक्ष अशोक संचेती, गौतम सेठिया, बी.एल. आच्छा, प्रकाश तातेड़, डॉ. एसपी जैन, डॉ. स्वाति शाह भंसाली, संतोष सेठिया सहित अनेक श्रोता उपस्थित रहे। स्मिता महेंद्र जैन ने अणुव्रत गीत प्रस्तुत करके कार्यक्रम का संचालन किया।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चेन्नई के कोंडीतोप के पार्क में रविवार को योग किया गया। ओंकार सिंह राजपुरोहित ने बताया कि मोदी जी के 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने का आह्वान के बाद लगातार लोग योग से जुड़ रहे हैं और सुबह-सुबह आसपास के सभी पार्कों में योगा करने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है अब लोग नियमित योग करने लगे हैं इस भाग दौड़ भरी जिंदगी में योग करने से काफी रिलीफ मिलता है।

अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ए जी जैन हायर सेकंडरी स्कूल के प्रांगण में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शरद मेहता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जीतू की सम्मान उपस्थिति रही। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का शाल द्वारा सम्मान किया गया । विद्यालय के विद्यार्थियों ने योग प्रशिक्षक कृष्णमूर्ति के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों एवं प्राणायामों का उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, एकाग्रता एवं शारीरिक दक्षता ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन, मानसिक संतुलन एवं आत्मिक उन्नति का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य, विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा सहित शिक्षकगण एवं छात्र भी उपस्थित रहे।

'हंसी का पिटारा' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां राजस्थानी संघ के तत्वाधान में, राजस्थानी संघ वुमेन्स एम्पावरमेंट कमेटी द्वारा बहुत ही सुंदर व ज्ञानवर्धक ताल थार की जीत आपकी व हंसी का पिटारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष संतोष मुंदड़ा व मंत्री प्रदीप करनानी व राजस्थानी वुमेन्स एम्पावरमेंट कमेटी की अध्यक्ष मधु बांठिया, उपाध्यक्ष बीना मुंदड़ा व उषा कवाड़ ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि कमेटी द्वारा प्रत्येक माह ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

संचालन उपाध्यक्ष उषा कवाड़ व मोनिका रोबिन बाबेल ने किया। कमेटी की उपाध्यक्ष बीना मुंदड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

योग दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को महावीर इंटरनेशनल एसपीआर सिटी शाखा द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम पट्टालम स्थित एसपीआर सिटी के प्रांगण में आयोजित किया गया। चेयरमैन सज्जन जैन की उपस्थिति में गुरु पी. आर. सुब्रमणियन एवं रमेश ने योग का उत्कृष्ट मार्गदर्शन, प्राणायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इको पार्क वाकर्स के कई सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मोक्ष प्राप्ति के लिए भी योग है मील का पत्थर : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केंगेरी जैन समाज में योग दिवस के मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि शारीरिक योग साधना के साथ मन और वचन के योग का समावेश कर दिया जाए तो अलौकिक चमत्कार प्रकट होते हैं।मोक्ष प्राप्ति के लिए भी योग ही मील का पत्थर साबित होता है। आत्मा की अनंत शक्ति का साक्षात्कार करने के लिए योग रूपी सशक्त माध्यम महापुरुषों ने बताया है। जैन मुनि ने कहा कि मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत करने के लिए है योग। योग क्रिया के अलावा और कोई साधन नहीं है। ऋषि मुनियों के आध्यात्मिक ज्ञान से निर्मित योग पूरे विश्व में छाया हुआ है। इसी के माध्यम से भारत पुनः विश्व गुरु के स्थान को प्राप्त करने की ओर है। भारत वर्ष ने योग के माध्यम से जाति, धर्म, संप्रदाय, ऊंच, नीच, गरीब, अमीर, देश, विदेश सभी सीमाओं से ऊपर उठकर संसार की मानवीय एकता को मजबूत करने का काम किया है।

जीतो हुब्बल्ली ने उत्साह के साथ योग दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर ने रविवार को स्पोटर्स पार्क में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जिसमें योगभावना' की योग प्रशिक्षिका भावना बाफना ने प्रतिभागियों को कई तरह के योगासन, सांस लेने के व्यायाम और माइंडफुलनेस (सजगता) के अभ्यास करवाए।

उन्होंने रोज़मर्रा की ज़िंदगी में योग को शामिल करने के महत्व पर ज़ोर दिया गया, ताकि शरीर का लचीलापन और ताकत बढ़े, पोस्चर (शरीर की मुद्रा) बेहतर हो, तनाव कम हो। इस मौके पर वाइस चेयरमैन शरद मोमाया ने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए योग के समग महत्व पर प्रकाश डाला।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.